www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 18 ||अम्बेडकरनगर
गुरूवार
09 अप्रैल 2026||पृष्ठः 08||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:50
सूर्यास्तः 06:27
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार | मुफ्त योजनाओं के सहारे ... >> पेज 04 | बाप-बेटे के हाथ बांधे, गला... >> पेज 06 | धुरंधर से इंडस्ट्री की जली...

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले परमाणु बम नहीं बनाने देंगे, ट्रम्प बोले- ईरान को हथियार दिए तो 50% टैरिफ लगाएंगे

'ईरान ने युद्धविराम के लिए मांगी भीख'

- अमेरिका-ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर, 40वें दिन जंग रुकी, ट्रम्प बोले- पाक पीएम और आर्मी चीफ की अपील के बाद फैसला
- उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने चेतावनी दी है कि अगर सीजफायर में लेबनान को शामिल नहीं किया गया, तो यह समझौता टूट सकता है। संगठन का कहना है कि अगर इजराइल ने हमले जारी रखे, तो जवाब दिया जाएगा।

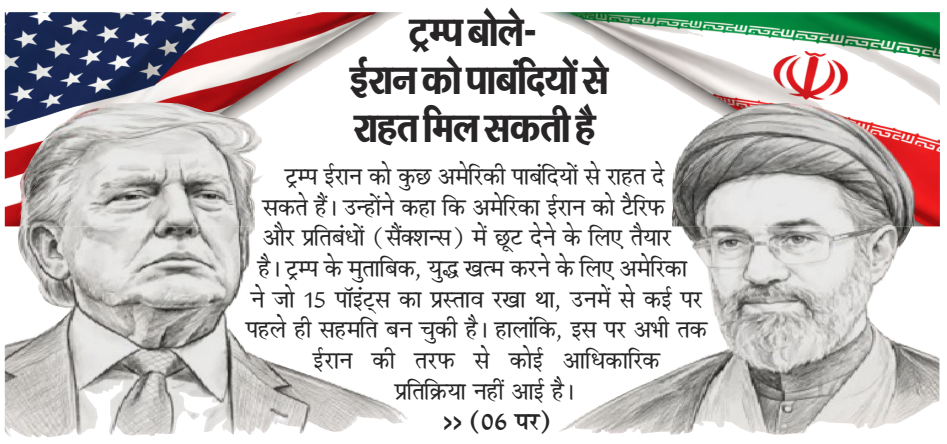

ट्रम्प बोले- ईरान को पाबंदियों से राहत मिल सकती है

ट्रम्प ईरान को कुछ अमेरिकी पाबंदियों से राहत दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान को टैरिफ और प्रतिबंधों (सैंक्शन्स) में छूट देने के लिए तैयार है। ट्रम्प के मुताबिक, युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका ने जो 15 पॉइंट्स का प्रस्ताव रखा था, उनमें से कई पर पहले ही सहमति बन चुकी है। हालांकि, इस पर अभी तक ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

>> (06 पर)

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी । अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दावा किया कि ईरान की लीडरशिप सीजफायर के लिए भीख मांग रही थी, क्योंकि उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा था। उन्होंने कहा कि अब किसी भी हालत में ईरान को परमाणु बम बनाने नहीं दिया जाएगा। हेगसेथ ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला है और जहाज वहां से गुजरते रहेंगे। अमेरिका और ईरान की सेनाएं इस इलाके पर नजर रखे हुए हैं। ट्रम्प के पास इतनी ताकत थी कि वो चाहें तो कुछ ही मिनटों में ईरान की पूरी अर्थव्यवस्था ठप कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है।

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान अमेरिका के लिए 47 सालों से ख़तरा बना हुआ था, लेकिन अब ऐसा नहीं है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ़ करते हुए हेगसेथ ने कहा कि 'उन्होंने इतिहास रच दिया है.' रक्षा मंत्री हेगसेथ ने दावा किया, "राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे संभव बनाया, ईरान ने इस युद्धविराम के लिए भीख मांगी, और हम सभी यह जानते हैं."

हेगसेथ ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ऐतिहासिक और बेहद प्रभावशाली था, और यह भी कहा कि, अमेरिकी सेना ने ईरान की सैन्य ताक़त को बुरी तरह बर्बाद कर दिया है."

ईरान जंग में अमेरिकी सैनिकों ने 60 लाख पैकट खाना खाया

अमेरिकी सेना के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के जनरल डैन केन ने बताया कि ईरान के साथ जंग के दौरान 10,000 से ज्यादा फ्लाइट मिशन किए गए। इनमें 62 बॉम्बर मिशन भी शामिल थे।

>> (शेष 06 पर)

ईरान का अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान

- हमले पूरी तरह बंद हों
- सभी सैंक्शन हटाए जाएं
- फ्रीज किए गए एसेट्स वापस मिलें
- जंग का स्थायी अंत
- अमेरिकी सेना की वापसी
- नुकसान की भरपाई
- होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल
- सुरक्षित आवाजाही, लेकिन शर्तों के साथ
- प्रति जहाज फीस का प्रस्ताव
- क्षेत्रीय संघर्ष भी खत्म हों

दावा- अमेरिका ने पाकिस्तानी पीएम को जंग रोकने का पोस्ट भेजा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद हो गया है। इस पोस्ट में उन्होंने अमेरिका से ईरान पर हमला न करने की समय सीमा बढ़ाने की अपील की थी। पोस्ट की एडिट हिस्ट्री में 'ड्राफ्ट- पाकिस्तानी PM का मैसेज' दिखने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई दावे किए जा रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही की कोशिशें जारी

इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही तय करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा और सुरक्षित नेविगेशन सबसे जरूरी है। वहीं थाईलैंड ने पुष्टि की है कि युद्ध के शुरुआती दिन में होर्मुज स्ट्रेट पार करते वक्त उसके जहाज पर हुए हमले में 3 क्रू मेंबर की मौत हो गई।

आधी रात तक फोन करते रहे शरीफ-मुनीर

8 अप्रैल की सुबह। जंग के 40वें दिन सीजफायर का ऐलान करते हुए ट्रम्प ने लिखा- पाकिस्तान के PM शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद मैं ईरान पर 2 हफ्ते के लिए हमले रोकने को तैयार हूं।

सऊदी अरब की ऑयल पाइपलाइन पर मिसाइल अटैक

सऊदी अरब की सबसे अहम ईस्ट-वेस्ट ऑयल पाइपलाइन पर ईरान ने बुधवार को ड्रोन और मिसाइल हमला किया। यह खबर रॉयटर्स ने दी है। यह पाइपलाइन खास तौर पर होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करने के लिए बनाई गई थी, ताकि अगर समुद्री रास्ता बंद हो जाए तो भी तेल की सप्लाई जारी रह सके। >> (शेष पेज 06 पर)

बीजेपी का आरोप-आरजी कर रेप-मर्डर पीड़िता की मां से बदसलूकी

तिरुवनंतपुरम/गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल की पानीहाटी सीट से बीजेपी उम्मीदवार रत्ना देबनाथ ने बुधवार को अपने साथ बदसलूकी का आरोप लगाया। रत्ना आरजी कर मेडिकल कॉलेज रेप-मर्डर केस की पीड़िता की मां हैं। उन्होंने कहा कि प्रचार के दौरान TMC के गुंडों ने मुझे मारने की कोशिश की। मुझे ज्यादा चोट नहीं आई, लेकिन मेरे साथ आए कार्यकर्ता घायल हुए हैं।

बीजेपी का आरोप है कि कुछ महिलाएं 'जय बंगला' के नारे लगाते हुए विरोध करनी लगी। कुछ कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई। हालांकि तृणमूल कांग्रेस ने सभी आरोपों को खारिज किया है।

इधर, सीएम ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन भरा। भाजपा ने इसी सीट से सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा जहरीले सांप जैसी : कांग्रेस अध्यक्ष

खड़गे बोले- चुनाव आयोग से शिकायत

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाजपा-आरएसएस की जहरीले सांप से तुलना करने पर शिकायत दर्ज कराई गई है। भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचा। भाजपा की मांग है कि खड़गे के भड़काऊ बयानों को लेकर उनके खिलाफ FIR दर्ज कराई जाए। इसके साथ ही उन्हें भाषण देने से रोका जाए।

दरअसल 7 अप्रैल को असम में एक रैली को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा था कि अगर आप नमाज पढ़ रहे हैं और जहरीला सांप आ जाए तो नमाज छोड़कर उसे मारना है, यह कुरान में कहा गया है। यह आरएसएस और बीजेपी जहरीले सांप हैं इनको नहीं मारेंगे तो आप बचेंगे नहीं।

- खड़गे के बेटे बोले- सांप को हर कोई मारता ही है, पालता नहीं

>> (शेष पेज 06 पर)

पाकिस्तानी शेयर मार्केट में इतिहास की सबसे बड़ी तेजी

अमेरिका-ईरान सीजफायर के बाद मार्केट 14000 अंक चढ़ा

रिकॉर्ड

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद आज (8 अप्रैल, बुधवार) पाकिस्तान के शेयर बाजार में 14,000 अंकों की रिकॉर्ड तेजी आई। कराची स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क इंडेक्स कराची 100 (KSE) 14,162.58 अंक यानी 9.34% बढ़कर 165,836.05 पर बंद हुआ। यह KSE-100 इंडेक्स के इतिहास में एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त मानी जा रही है। इससे पहले कराची स्टॉक एक्सचेंज में इतनी बड़ी तेजी कभी नहीं देखी गई थी। इस तेजी के बाद नियमों के तहत ट्रेडिंग अस्थायी रूप से रोक दी गई थी।

अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग पर 2 हफ्ते के लिए ब्रेक लग गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

अमेरिका-ईरान के बीच पाकिस्तान में होगी आगे की बातचीत

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह युद्धविराम बातचीत का रास्ता खोलने के लिए किया गया है। संभावित बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में हो सकती है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि युद्धविराम तुरंत लागू होगा और बातचीत का उद्देश्य अंतिम समझौते तक पहुंचना है।

फास्ट न्यूज

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा रामपाल

चंडीगढ़। सतलोक आश्रम के प्रमुख रामपाल को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) मामले में रामपाल को जमानत दी है। इसके साथ ही करीब 11 साल 5 महीने बाद रामपाल का जेल से बाहर आने का रास्ता लगभग साफ हो गया।

बैठक चर्चा

दिल्ली में भारत और बांग्लादेश के विदेश मंत्री मिले

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने आज यानी बुधवार को नई दिल्ली में बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. ख़लीलुर रहमान से मुलाक़ात की।

इस बैठक में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर भी मौजूद थे. जारी प्रेस रिलीज़ के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्री ने नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और द्विपक्षीय संबंधों को और मज़बूत करने की भारत की इच्छा दोहराई. दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय साझेदारी को गहरा करने के प्रस्तावों पर विचार करने पर सहमति जताई।

इस साल मानसून में 6% कम बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रह सकती है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट वेदर ने इस साल के मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। इसके अनुसार, बारिश सामान्य से 6% कम रह सकती है। जून से सितंबर तक मानसून के 4 महीनों में देश में बारिश का सामान्य औसत 868.6 मिलीमीटर है।

पवन खेड़ा ने तेलंगाना एचसी में अग्रिम जमानत अर्जी दी

कहा - हिमंता ने मुझ पर पुलिस छोड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को तेलंगाना हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दी है। असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी ने उनके खिलाफ FIR करवाई है। दरअसल खेड़ा ने 5 अप्रैल को हिमंता की पत्नी पर फर्जी पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया था। इसके दो दिन बाद मंगलवार को असम पुलिस ने दिल्ली में पवन खेड़ा के घर छापा मारा। हालांकि उस वक्त पवन हैदराबाद में थे। पुलिस उनके घर से कुछ दस्तावेज ले गई। पवन ने छापेमारी पर एक वीडियो जारी किया और कहा- असम पुलिस के100 पुलिसकर्मी उनके घर में घुस गए। पुलिस उनके घर से बहन की फोटो ले गई। असम मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वह उन पर पुलिस छोड़कर डराने की कोशिश कर रहे हैं। असम सीएम की पत्नी के पास तीन देशों मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं।

- एक दिन पहले असम पुलिस ने दिल्ली आवास पर छापेमारी की

>> (शेष पेज 06 पर)

आक्रांताओं ने भारत की खेती पर ही हमला नहीं किया, यहां की उद्यमिता पर भी हमला किया - योगी

'अन्नदाता खुशहाल होगा तो समाज खुशहाल होगा'

संबोधन

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ। सीएम योगी ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उन्होंने वैज्ञानिकों से बातचीत का एक किस्सा सुनाया। सीएम ने बताया- हाल ही में मैं कृषि मौसम वैज्ञानिकों से बात कर रहा था कि खेती के समय अचानक मौसम क्यों बिगड़ गया।

उन्होंने बताया- इसके पीछे की वजह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है। ईरान और पाकिस्तान में जो बवंडर उठा है, हमारे यहां के मौसम बिगड़ने का कारण है। हमने उनसे कहा कि वहां युद्ध से लोग लड़े-मरे लेकिन भारत के अंदर यह क्यों हो रहा है?

- लगभग 2 लाख 90 हजार करोड़ से अधिक की राशि हम गन्ना किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेज चुके हैं - सीएम योगी

>> (शेष पेज 06 पर)

आक्रांताओं ने खेती पर ही नहीं, बल्कि उद्यमिता पर हमला किया था

सीएम योगी ने कहा- जब भारत का दुनिया की अर्थव्यवस्था में 44-45 फीसदी अधिकार था, तब उसका आधार भारत की कृषि थी। अन्नदाता किसान और कारीगर इसका आधार थे। किसान सिर्फ खेती तक सीमित नही थे, वह कारीगर भी थे, दोनों काम मिलकर होते थे। किसान उत्पादक था और जब कारीगर बनकर कार्य करता था, तो उद्यमी के रूप में भी खुद को स्थापित करता था। उत्पादक से उद्यमी से बनने की गाथा है- वैदिक काल से भारत में विशेषकर उत्तर प्रदेश की माटी से जुड़ी रही है। आक्रांताओं ने खेती पर ही हमला नहीं किया था, यहां की उद्यमिता पर भी हमला किया। यहां जितने कृषि वैज्ञानिक, शोधार्थी हैं उन्होंने भारत के राष्ट्रगीत वंदेमातरम की गाथा को सुना होगा। यह भारत के आनंदमठ पर आधारित उपन्यास का एक पार्ट है। यह बंगाल की त्रासदी पर आधारित गीत है। बंगाल में जब अकाल पड़ते थे, लोग भूखे मर रहे थे, वहां के एक जमीदार महेंद्र नाथ के परिवार पर किस प्रकार बीता था, फिर संन्यासी विद्रोह हुआ था, ब्रिटिश औपनिवेशिक काल मे किस प्रकार शोषण होता था, उसकी पूरी गाथा आनंदमठ में समाहित की गई है। >> (शेष पेज 06 पर)

दावा : अखिलेश यादव का चुनाव आयोग और भाजपा पर बड़ा आरोप

'वोट काटने की साजिश चल रही'

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर/लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने चुनाव आयोग और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मतदाताओं के वोट काटने की साजिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि फर्जी दस्तखत के जरिए वोट हटाने के मामले सामने आए हैं, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। बुधवार को कानपुर के एक दिवसीय दौरे के बाद मीडिया से बातचीत में Akhilesh Yadav ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर कानपुर को औद्योगिक पहचान दिलाने के लिए कानपुर-इटावा-कन्नौज को "ट्रेड ट्रायंगल" के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने लाल इमली कारखाने को फिर से चालू करने का भी वादा किया और कहा कि समाजवादी सरकार ही इसे बेहतर तरीके से चला सकती है। उन्होंने दावा किया कि पिछली समाजवादी सरकार ने कानपुर में मेट्रो, पनकी और घाटमपुर में बिजली परियोजनाएं, अमूल प्लांट सहित कई औद्योगिक इकाइयां स्थापित की थीं।

कानून व्यवस्था पर चिंता जताते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदेश में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं और महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हत्या, फायरिंग और नशे के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कानपुर दौरे के बाद सपा प्रमुख ने घेरा भाजपा सरकार को, कानून व्यवस्था, स्वास्थ्य और विकास कार्यों पर उठाए सवाल

नदियों की सफाई को लेकर भी निशाना साधा

सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार पर नदियों की सफाई को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नदियों को साफ करने के नाम पर बजट का दुरुपयोग हुआ, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात और खराब हो गए हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हमला बोलते हुए Akhilesh Yadav ने कहा कि वर्तमान सरकार ने भ्रष्टाचार के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

'जो भक्त ही नहीं, वो धार्मिक परंपरा को चुनौती कैसे दे रहा'

सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट का केंद्र से सवाल

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से पूछा कि जो लोग भगवान अयप्पा के भक्त नहीं हैं, वे केरल के सबरीमाला मंदिर की परंपराओं को कैसे चुनौती दे सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर 7 सवाल तय किए हैं। इनमें से एक सवाल यह है कि क्या कोई व्यक्ति, जो किसी धार्मिक संप्रदाय या समूह से संबंधित नहीं है, उस 'धार्मिक संप्रदाय या समूह' की किसी प्रथा को जनहित याचिका (PIL) के माध्यम से चुनौती दे सकता है। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि सबरीमाला मामले में याचिकाकर्ता कौन थे। 'मूल याचिकाकर्ता भक्त नहीं थे। किसी भी भक्त ने इस प्रथा को चुनौती देने के लिए अदालत का रुख नहीं किया। तो फिर ये रिट याचिकाकर्ता कौन हैं जो इसे चुनौती दे रहे हैं।'

- सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

>> (शेष पेज 06 पर)

खाद्य सुरक्षा व नवाचार से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का मार्ग होगा प्रशस्त : केशव प्रसाद

वैज्ञानिकों के शोध और नवाचार से सशक्त होगी खाद्य सुरक्षा की कड़ी

कार्यक्रम

- एमिटी विवि में डिप्टी सीएम ने किया अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन
- सतत कृषि और खाद्य सुरक्षा पर मंथन के लिए एक मंच पर आए प्रतिष्ठित वैज्ञानिक

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में अग्रसर है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के सम्मेलन खाद्य सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के समाधान खोजने में मील का पत्थर साबित होंगे।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को लखनऊ स्थित एमिटी विश्वविद्यालय में 'खाद्य सुरक्षा' (Food Security) विषय पर "पैथोजेन्स, प्लांट हेल्थ एंड फूड सिक्योरिटीः क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर एंड लैंडस्केप कंजर्वेशन" विषय पर आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मे बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुये

इस अवसर पर उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उप मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत करते हुए उन्हें अंगवस्त्र, पगड़ी (साफा) पहनाकर तथा एक पौधा सम्मान स्वरूप भेंट किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने "Pathogens, Plant Health and Food Security" नामक पुस्तक का विमोचन किया तथा देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से आए वरिष्ठ वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

अब समय क्वांटिटी के साथ क्वालिटी पर ध्यान देने का

उप मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं से आह्वान किया कि वे ऐसी तकनीकों का विकास करें, जिससे प्राकृतिक आपदाओं जैसे वर्षा एवं ओलावृष्टि से फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और किसानों की मेहनत सुरक्षित रह सके। उन्होंने कहा कि अब समय क्वांटिटी के साथ क्वालिटी पर ध्यान देने का है, ताकि भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें।प्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों के बारे में बताते हुए श्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश में चाहे सड़क मार्ग हो, चाहे रेल मार्ग या फिर हवाई मार्ग, इन सबके निर्माण में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी बन चुका है।

एक जनपद, एक उत्पाद योजना ने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई

मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार की 'एक जनपद, एक उत्पाद (ODOP)' योजना ने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है तथा अब "एक जनपद, एक व्यंजन" के माध्यम से खाद्य उत्पादों की ब्रांडिंग और विपणन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों में वैल्यू एडिशन बढ़ाकर न केवल किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं।सम्मेलन को संबोधित करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन की सरकार किसानों और किसानी के सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है

रील बना रहे युवक की मौत कमरा बंद करके फंदा लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव इलाके में रील बनाते समय एक युवक की मौत हो गई। उसकी पहचान 18 साल के मो. जाकिर के रूप में हुई। 5 अप्रैल, रविवार को वह घर में कमरा बंद करके फांसी लगाने की रील बना रहा था। संतुलन बिगड़ने से वह फंदे पर झूल गया। परिजनों ने उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। आज, बुधवार सुबह अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

परिजनों के मुताबिक, 5 अप्रैल की सुबह करीब 11 बजे जाकिर की मां शहनाज खाना बना रही थी। परिवार के अन्य सदस्य अपने-अपने काम पर गए थे। इसी दौरान जाकिर कमरे में गया। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद किया। फांसी का फंदा लगाकर रील बनाने लगा। इसी दौरान पैर फिसलने से वह फंदे पर लटक गया।

काफी देर तक कोई आहट न मिलने पर मां शहनाज बानो ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई जवाब नहीं मिला, परिजनों और पड़ोसियों को बुलाकर दरवाजा तोड़वाया। अंदर जाकिर फंदे से लटकता मिला। वह बेहोश था। परिजन उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले गए। गंभीर हालत में उसे बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा था। बुधवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता मो. रफीक कबाड़ का काम करते हैं। जाकिर ने आठवीं तक पढ़ाई के बाद स्कूल छोड़ दिया था। 4 भाइयों में वह तीसरे नंबर पर था। सबसे बड़ा जहांगीर सिद्दीकी, फिर जबीर और सबसे छोटा जमील है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में सड़क हादसे में 12वीं के छात्र की मौत

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर सड़क हादसे में 17 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। छात्र अपने दो दोस्तों के साथ एक ही बाइक पर बैठकर जा रहा था। बाइक फिसलने से हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक परिवार का इकलौता बेटा था। मृतक की पहचान ठाकुरगंज निवासी सूरज के रूप में हुई।

प्राइवेट स्कूल ने 25% बढ़ाई फीस

लखनऊ। लखनऊ में निजी स्कूल पर मनमानी फीस वसूलने का नया मामला सामने आया हैं। गोमतीनगर के विकल्प खंड स्थित श्री राम ग्लोबल इंटरनेशनल स्कूल पर नए सत्र से फीस 25% बढ़ाने का आरोप लगा है। 8 अप्रैल को बड़ी संख्या में पेरेंट्स स्कूल पहुंचे और बढ़ी हुई फीस के खिलाफ विरोध जताया। अचानक विरोध बढ़ता देख स्कूल प्रशासन बैकफुट पर आ गया। 10 दिन की मोहलत मांगकर बढ़ी हुई फीस को कम करने का भरोसा दिया। इसके बाद फिर माहौल शांत हुआ। गोमती नगर स्थित श्री राम ग्लोबल स्कूल में नए सत्र से स्कूल के बच्चों की फीस जमा करने का शेड्यूल जारी किया।

सरोजनीनगर में रोड से अतिक्रमण हटाया

लखनऊ । लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में बुधवार शाम अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा के नेतृत्व में सरोजनी नगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति ने पुलिस बल के साथ कानपुर रोड स्थित ट्रांसपोर्ट नगर मेट्रो स्टेशन के आसपास कार्रवाई की। अभियान के दौरान कानपुर रोड पर चाट, बताशा और जूस आदि के ठेले की दुकानें लगाकर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया गया।

राजकीय आईटीआई अलीगंज में कैंपस ड्राइव आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप संचालित मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत बुधवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में ग्रीन गैस लिमिटेड द्वारा लखनऊ एवं आगरा के लिए कैंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। इस रोजगार पहल के माध्यम से युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान द्वारा आयोजित इस कैंपस ड्राइव में कंपनी के प्रतिनिधियों को अधिक से अधिक अभ्यर्थियों का चयन करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही अभ्यर्थियों को चयन के उपरांत शीघ्र ज्वाइन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया, ताकि वे रोजगार के अवसरों का पूरा लाभ उठा सकें। प्लेसमेंट ऑफिसर एम० ए० खाँ ने बताया कि कैंपस ड्राइव में कुल लगभग 198 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षा एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया के उपरांत 121 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा 25,700 रुपये प्रतिमाह वेतन प्रदान किया जाएगा, जो युवाओं के लिए एक आकर्षक अवसर है।

मदरसों और विभागीय योजनाओं को लेकर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने की समीक्षा बैठक

शिक्षा व्यवस्था एवं विभिन्न सेवा आयोग को प्रेषित अध्याचनों पर गहन चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। माननीय पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ एवं हज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर तथा राज्य मंत्री (अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ एवं हज) श्री दानिश आजाद अंसारी की अध्यक्षता में विधानसभा कक्ष, कार्यालय में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मदरसों की शिक्षा व्यवस्था, विभिन्न आयोगों/बोर्डों में रिक्त पदों पर नियुक्ति तथा शैक्षिक सत्र 2026-27 हेतु छात्रवृत्ति योजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

मंत्री श्री राजभर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। निर्माणाधीन 92 परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए गए। विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक स्थलीय निरीक्षण के निर्देश दिए गए। बैठक में विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध लंबित एवं अनिस्तारित मामलों की समीक्षा, वक्फ नियमावली एवं उत्तर प्रदेश मदरसा अरबी-फारसी मान्यता/प्रशासनिक सेवा नियमावली, 2016 में प्रस्तावित संशोधनों पर भी चर्चा की गई। मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रगति से समय-समय पर अवगत कराया जाए।

बैठक में प्रमुख सचिव श्रीमती संयुक्ता समाद्दार, विशेष सचिव, संयुक्त सचिव, वित्त एवं लेखा अधिकारी, संयुक्त निदेशक, उपनिदेशक तथा रजिस्ट्रार, मदरसा शिक्षा परिषद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

700 से ज्यादा पेड़ कटने से बचे

लखनऊ। लखनऊ में कुकरैल नाइट सफारी तक प्रस्तावित चार लेन सड़क को रोकते हुए अब दो लेन सड़क बनाने का निर्णय लिया गया है। इस बदलाव से 700 से ज्यादा पेड़ों की कटान टल जाएगी। दरअसल, पीडब्ल्यूडी ने 17 फरवरी 2025 को कुकरैल नाइट सफारी तक चार लेन सड़क निर्माण के लिए टेंडर जारी किया था। केंद्रीय सशक्त समिति (CEC) ने अपनी रिपोर्ट में इस पर गंभीर आपत्ति जताई। समिति ने स्पष्ट कहा कि चार लेन सड़क बनने पर बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई करनी पड़ेगी, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होगा।

CEC की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने चार लेन सड़क का प्रस्ताव खारिज कर दिया है। अब पीडब्ल्यूडी को दो लेन सड़क का नया प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने चार लेन सड़क के लिए स्वीकृत करीब 7 करोड़ रुपये का बजट भी शासन को सरेंडर कर दिया है।

लोगों की भावनाओं का दुरुपयोग कर अपने स्वार्थ पूरे करती है भाजपा : अखिलेश यादव

'विभाजनकारी राजनीति से समाज में बढ़ रही दरार'

- सपा प्रमुख ने कहा- भाजपा और सहयोगी संगठन लोगों में डर और अविश्वास फैलाकर अपने स्वार्थ साध रहे, जनता जल्द देगी जवाब

सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि अब जनता इन गतिविधियों को समझने लगी है और आने वाले समय में ऐसे विघटनकारी तत्वों के खिलाफ व्यापक स्तर पर सामाजिक "नाकाबंदी" की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों ने अपने परिवार और समाज में ऐसे तत्वों के प्रवेश पर रोक लगानी शुरू कर दी है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें विभाजनकारी राजनीति करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी नीतियां देश के लोगों को आपस में डराने और लड़ाने का काम कर रही हैं, जो लोकतंत्र और सामाजिक एकता के लिए बेहद खतरनाक है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े कुछ संगठन "बांटो और राज करो" की नीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग अपनी असल पहचान छुपाकर समाज में सक्रिय रहते हैं और जानबूझकर रजिस्ट्रेशन से बचते हैं। उनके अनुसार, ऐसे समूहों की गतिविधियां देश में अस्थिरता पैदा करती हैं, जिससे जनता का ध्यान शासन-प्रशासन की कमियों और भ्रष्टाचार से हटाया जा सके।

Akhilesh Yadav ने कहा कि ये ताकतें लोगों की भावनाओं का दुरुपयोग कर अपने स्वार्थ पूरे करती हैं और समाज में दरारें पैदा कर उसे गहराने का काम करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ स्वार्थी तत्वों को अलग-अलग रूप में समाज के बीच भेजा जाता है, जो भोले-भाले लोगों को गुमराह कर आपसी भाईचारे को नुकसान पहुंचाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देश का आम नागरिक शांति चाहता है, लेकिन कुछ लोग योजनाबद्ध तरीके से भय और अविश्वास का माहौल बनाकर समाज को हिंसा की ओर धकेलते हैं। ऐसे लोग अपने निजी लाभ के लिए समाज को "रक्तरंजित" करने से भी पीछे नहीं हटते।

मुख्यालय के बाहर हाथ जोड़कर प्रार्थना की, बोले- समान वेतन मिले

बिजली कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन

आंदोलन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के निविदा कर्मचारियों ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्यालय के बाहर कर्मचारियों ने 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' प्रार्थना के साथ आंदोलन की शुरुआत की। फिर सड़क पर बैठकर नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को उठाया।

कर्मचारियों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को जल्द नहीं माना गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रदेश स्तर पर बिजली कार्य बाधित करने जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि वे किसी भी कीमत पर अपनी मांगों से पीछे हटने वाले नहीं हैं और जब तक ठोस आश्वासन नहीं मिलता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

कर्मचारियों का आरोप-लंबे समय से हो रही अनदेखी

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं को लेकर विभाग को अवगत करा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कई बार ज्ञापन देने और बातचीत के बावजूद स्थिति जैसी थी वैसी ही बनी हुई है।

कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि निविदा पर काम करने वाले कर्मियों को न तो पर्याप्त वेतन मिल रहा है और न ही उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे उनके सामने आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है।

लाभ : एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने ग्रीन कॉरिडोर के निर्माणाधीन रूट का किया निरीक्षण

सुलतानपुर रोड से कनेक्ट होगा ग्रीन कॉरिडोर

- एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने ग्रीन कॉरिडोर के निर्माणाधीन रूट का किया निरीक्षण
- डालीगंज से पक्का पुल के मध्य 1.5 किलोमीटर लंबे आर0ओ0बी0 का कार्य 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को स्थल निरीक्षण करके 4-लेन सड़क का कार्य शीघ्र शुरु कराने के निर्देश दिये। उपाध्यक्ष ने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर के तृतीय चरण के अंतर्गत पिपराघाट से शहीद पथ के मध्य बंधा एवं सड़क निर्माण, फ्लाईओवर व ब्रिज का कार्य कराया जा रहा है।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पिपराघाट से शहीद पथ के मध्य आकार ले रहा ग्रीन कॉरिडोर अब सुलतानपुर रोड से भी कनेक्ट होगा। इसके लिए आर्मी लैंड से मरी माता मंदिर तक 4-लेन सड़क बनायी जाएगी। इससे गोमती नगर विस्तार से अर्जुनगंज की ओर जाना आसान होगा और लगभग 10 लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। इस रूट को और अधिक प्रभावी व लोगों के लिए उपयोगी बनाने के उद्देश्य से ग्रीन कॉरिडोर को सुलतानपुर रोड से सीधे कनेक्ट करने का भी कार्य कराया जाएगा। जिसके लिए आर्मी लैंड पर निर्माणाधीन ग्रीन कॉरिडोर से सुलतानपुर रोड स्थित मरी माता मंदिर तक 4-लेन सड़क बनायी जाएगी। लगभग 1800 मीटर लंबी इस सड़क का निर्माण लगभग 33 करोड़ रूपये की लागत से कराया जाएगा। ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत पक्का पुल से डालीगंज के मध्य निर्मित किये जा रहे 1.5 किलोमीटर लंबे आर0ओ0बी0/फ्लाईओवर का भी उपाध्यक्ष ने निरीक्षण किया।

नये रूट से बड़ी आबादी को होगा फायदा

उपाध्यक्ष ने बताया कि 4-लेन सड़क के निर्माण के लिए टेंडर के माध्यम से कार्यदायी संस्था का चयन कर लिया गया है। जल्द ही स्थल पर कार्य शुरू करा दिया जाएगा, जिसके लिए सम्बंधित अभियंताओं को निर्देश दे दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि ग्रीन कॉरिडोर से सुलतानपुर रोड के मध्य यह नया रूट बनने से पुलिस मुख्यालय, ओमैक्स, इमार टाउनशिप समेत गोमती नगर विस्तार से अर्जुनगंज की ओर जाना आसान होगा और बड़ी संख्या में लोग लाभन्वित होंगे।

लखनऊ में ग्रीन गैस ने की हायरिंग

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज स्थित ITI परिसर में 8 अप्रैल को ग्रीन गैस लिमिटेड ने रोजगार मेले का आयोजन किया। इसमें 198 अभ्यर्थी शामिल हुए। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सुबह से ही ITI कैंपस पहुंच गए थे। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के बाद कुल 121 अभ्यर्थियों को शार्ट लिस्ट किया गया। ग्रीन गैस करीब 50 पदों पर भर्ती करने के लिए पहुंची थी। ITI अलीगंज के प्लेसमेंट ऑफिसर एम.ए. खान ने बताया कि यह रोजगार मेला लखनऊ और आगरा सेंटर के लिए आयोजित किया गया था। कुल 50 पदों पर भर्ती होनी थी। सभी अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया गया। जिनमें से 121 अभ्यर्थियों को शार्ट लिस्ट किया गया है। इनमें से 50 अभ्यर्थियों को नौकरी दी जाएगी। आईटीआई अलीगंज के प्लेसमेंट ऑफिसर एम.ए. खान ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया गया है। 121 अभ्यर्थी शार्टलिस्ट हुए है। आईटीआई अलीगंज के प्लेसमेंट ऑफिसर एम.ए. खान ने बताया कि सभी अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया गया है। 121 अभ्यर्थी शार्टलिस्ट हुए है।

हाथ-पैर बांधकर 13 साल की लड़की से रेप

आंधी-बारिश से बचने के लिए निर्माणाधीन मकान में रुकी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 13 साल की लड़की से रेप का मामला सामने आया है। लड़की मंगलवार रात निर्माणाधीन मकान में बेसुध मिली। उसके हाथ-पैर बंधे थे। भाई के मुताबिक, काम करके लौट रही बहन आंधी-बारिश से बचने के लिए निर्माणाधीन मकान में रुकी थी। इसी दौरान 17 साल के नाबालिग आरोपी ने चार दोस्तों के साथ उसे बंधक बना लिया। बहन के साथ मारपीट की और रेप किया।

भाई के मुताबिक, बहन घर नहीं पहुंची तो हम लोग खोजते हुए मौके पर पहुंचे। हमें देखकर आरोपी भागने लगे। दो आरोपी छत से कूद गए, जिससे उन्हें चोट आई। शोर सुनकर आसपास के लोग जुट गए। पांचों आरोपियों को दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने लड़की को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है- पूछताछ में लड़की ने बताया है कि आरोपी उसका परिचित है। उसी ने उसके साथ रेप किया है। दोस्तों ने उसका साथ दिया। बयान के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। मामला आशियाना थाना क्षेत्र का है।

नाबालिग लड़की मूल रूप से कन्नौज की रहने वाली है। परिवार के साथ आशियाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहती है।

19.115 किलो मादक पदार्थ नष्ट

कार्रवाई

ड्रग डिस्पोजल कमेटी की कार्रवाई, 14.50 लाख रुपये आंकी गई कीमत

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई के तहत जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (DDC) ने बुधवार को बड़ी मात्रा में जब्त नशीले पदार्थों का विनष्टीकरण कराया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर के निर्देशन में की गई।

पुलिस के अनुसार, जिले के 18 थानों में दर्ज 18 अलग-अलग अभियोगों से संबंधित कुल 19.115 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट किए गए। इनमें अवैध गांजा, हीरोइन और स्मैक शामिल हैं। नष्ट किए गए पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 14.50 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने कहा कि जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि न्यायालय के निर्देशानुसार जब्त किए गए नशीले पदार्थों का समय-समय पर विनष्टीकरण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाएगी। साथ ही आम लोगों से भी अपील की कि नशे से दूर रहें और इस संबंध में पुलिस को सूचना देकर अभियान में सहयोग करें।

पुलिस विभाग के अनुसार, जिले में नशे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने के लिए विभिन्न थानों की पुलिस सक्रिय रूप से कार्रवाई कर रही है।

इन्सिनेटर के जरिए कराया गया विनष्टीकरण

यह कार्रवाई थाना अलीगंज क्षेत्र स्थित महामाया एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज के इन्सिनेटर के माध्यम से निर्धारित मानकों के अनुसार कराई गई। पूरी प्रक्रिया की निगरानी अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) श्यामदेव और क्षेत्राधिकारी टांडा शुभम कुमार के नेतृत्व में की गई। ड्रग डिस्पोजल कमेटी ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई की। कमेटी द्वारा मादक पदार्थों, स्वापक औषधियों और मनःप्रभावी पदार्थों के सुरक्षित निस्तारण की प्रक्रिया पूरी की गई।

रामनगर और बसखारी में ग्राम प्रधानों का प्रदर्शन, कार्यकाल विस्तार की मांग

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर पंचायत कार्यकाल बढ़ाने की उठाई आवाज

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रामनगर विकास खंड और बसखारी क्षेत्र में बुधवार को ग्राम प्रधानों ने प्रदर्शन कर त्रिस्तरीय पंचायतों के कार्यकाल विस्तार की मांग की। रामनगर खंड परिसर में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष मनीष यादव ने किया। वहीं, बसखारी में अखिल भारतीय प्रधान संघ के अध्यक्ष विजय मणि यादव के नेतृत्व में प्रधानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एडीओ आईएसबी धीरेंद्र प्रताप सिंह को सौंपा।

प्रधानों ने तर्क दिया कि मतदाता पुनरीक्षण में देरी, पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन लंबित होना और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 'ट्रिपल टेस्ट' प्रक्रिया के अधूरे होने के कारण चुनाव करना न्यायसंगत और टिकाऊ नहीं होगा। इस दौरान उन्होंने सुझाव दिया कि प्रधानों को कार्यकाल बढ़ाने के साथ ही इस अवधि के लिए प्रशासक के रूप में नियुक्त किया जाए।

ज्ञापन में मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड का उदाहरण देते हुए कहा गया कि इन राज्यों में निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही कार्यभार सौंपकर लोकतांत्रिक निरंतरता सुनिश्चित की गई। उत्तर प्रदेश में भी इसी तर्ज पर प्रधानों के अधिकारों को बनाए रखते हुए उन्हें प्रशासक नियुक्त किया जाना चाहिए।

रामनगर प्रदर्शन में डॉ. अब्दुल कलाम, निर्मला, विमला देवी, सरिता, नोहरा देवी, दिनेश कुमार, अशोक कुमार, नासिर खान सहित दर्जनों प्रधान मौजूद रहे। बसखारी ज्ञापन में विजय मणि यादव, घनश्याम यादव, अनीता यादव, रमेश यादव, सोनिया, लालमणि, रोशन लाल सहित कई अन्य प्रधान शामिल थे।

लोकतांत्रिक निरंतरता बनाए रखने की मांग

प्रदर्शन में उपस्थित प्रधानों ने कहा कि यदि वर्तमान परिस्थितियों में पंचायत चुनाव कराना संभव नहीं है, तो प्रशासकों की नियुक्ति के बजाय निर्वाचित प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि प्रधान जनता के प्रति जवाबदेह होते हैं और उनकी नियुक्ति से प्रशासनिक पारदर्शिता और ग्रामीण विकास कार्यों की निरंतरता सुनिश्चित होगी।

फास्ट न्यूज

पति की हत्या, पत्नी-नाबालिग बेटे पर आरोप

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के मसौली थाना क्षेत्र के कुरथरा गांव में बुधवार दोपहर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतक की पत्नी और नाबालिग बेटे पर हत्या का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान ललित कुमार वर्मा (पुत्र बजरंग वर्मा) के रूप में हुई है। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे घर के अंदर हुए विवाद के दौरान ललित पर लाठी-डंडों से हमला किया गया।

बिना मान्यता चल रहे स्कूलों की तैयार हो रही सूची

वाराणसी। नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होने के बाद शिक्षा विभाग एक्टिव मोड में दिख रहा है। ऐसे स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी हो रही है। इसके लिए विशेष अभियान 6 अप्रैल से चलाया जा रहा है जो 18 अप्रैल तक चलेगा। इसमें ऐसे स्कूल व कोचिंग सेंटरों को चिह्नित किया जाएगा जो बिना मान्यता लिए ही अवैध रूप से संस्थान संचालित कर रहे हैं।

इसके साथ ही मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ाने वाले उन शिक्षकों पर भी कार्रवाई तय है जो प्राइवेट कोचिंग सेंटरों में पढ़ा रहे हैं।

बाराबंकी में पति की सिर कूचकर की हत्या

बाराबंकी। बाराबंकी के मसौली थाना क्षेत्र के कुरथरा में पत्नी ने पति की सिर कूचकर हत्या कर दी। बुधवार सुबह करीब 12 बजे घर की चखट पर शव देख लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पड़ोसियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से परिवार के सदस्यों में कहसुनी हुई थी। कुछ दिनों में विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी और बेटे ने मिलकर युवक को मौत के घाट उतार दिया।

अम्बेडकरनगर में स्कूल चलो अभियान के तहत रैली

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देश पर चल रहे स्कूल चलो अभियान के तहत बुधवार को अकबरपुर शिक्षा क्षेत्र के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर सकरवारी में रैली और निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक देवेन्द्र प्रताप सिंह की देखरेख में हुआ। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रैली निकालकर शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। इसके बाद कक्षावार निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों और कार्यपुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

विद्यालय प्रशासन के अनुसार कक्षा एक से चार तक की पाठ्य पुस्तकें एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित हैं, जबकि कक्षा पांच से आठ तक पूर्व संचालित पाठ्यक्रम ही लागू है। आगामी सत्र से अन्य कक्षाओं में भी एनसीईआरटी आधारित पाठ्यक्रम लागू होने की संभावना जताई गई है।

रामपुर सकरवारी विद्यालय में हुआ आयोजन, एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर जोर

नई पाठ्य सामग्री में 'किसलय' और 'बांसुरी' पुस्तकों को शामिल किया गया है, जिन्हें छात्रों को वितरित किया गया।

कार्यक्रम में एआरपी पंकज उपाध्याय, नोडल शिक्षक संकुल विवेक सिंह सहित विद्यालय की शिक्षिकाएं सुचिता त्रिपाठी, सत्यप्रभा, आकांक्षा, मोहरा वर्मा और शिक्षक कुलदीप मौर्य, नवनीत, अमरनाथ दूबे उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक पवन पांडेय को गैंगस्टर मामले में जमानत, कोर्ट का आदेश

धोखाधड़ी प्रकरण के बाद गैंगस्टर एक्ट में हुई थी कार्रवाई

- 2024 में दर्ज हुआ था मुकदमा
- कोर्ट में दोनों पक्षों की दलीलें

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में अकबरपुर के पूर्व विधायक पवन कुमार पांडेय को राहत मिली है। विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर/एमपी-एमएलए कोर्ट ने मंगलवार को उनकी जमानत अर्जी मंजूर कर ली। मामला अकबरपुर कोतवाली में दर्ज उस प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें करीब डेढ़ वर्ष पहले पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। इस केस में पवन पांडेय को गैंग का लीडर बताया गया था। पुलिस ने यह कार्रवाई धोखाधड़ी के एक मुकदमे के आधार पर की थी। जानकारी के अनुसार, 14 जुलाई 2024 को अकबरपुर कोतवाली के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक ने पवन पांडेय समेत 13 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया था। इसमें जिले और अन्य जनपदों के कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस मामले में पुलिस का आरोप था कि सभी आरोपी संगठित रूप से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त थे, जिसके आधार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता शिवम मिश्र ने दलील दी कि आरोपी पूर्व जनप्रतिनिधि हैं और बीमारी से पीड़ित हैं। साथ ही उन्हें मामले में निर्दोष बताया गया।

वहीं अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए आरोपों की गंभीरता का हवाला दिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश ने जमानत अर्जी स्वीकार कर ली।

जलालपुर में सड़क हादसे में महिला मजदूर की मौत

अज्ञात वाहन ने महिला को कुचला, चालक फरार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के मंगुराडिला स्थित आर.एम. सस्ता ईंट उद्योग के पास बुधवार सुबह एक सड़क हादसे में 40 वर्षीय महिला मजदूर रूनिया देवी की मौत हो गई। मृतका झारखंड के गढ़वा जिले के खजूरी गांव की निवासी थीं और अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए अंबेडकरनगर में मजदूरी करती थीं।

जानकारी के अनुसार, रूनिया देवी बुधवार सुबह सड़क पार कर रही थीं, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि महिला मौके पर ही दम तोड़ गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

रूनिया देवी अपने पति प्रदीप कुमार उर्फ सुनील के साथ इसी ईंट भट्टे पर काम करती थीं। घटना के बाद प्रदीप कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपित वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जिलाधिकारी ने प्रगति और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर

जल जीवन मिशन की समीक्षा जिलाधिकारी ने दिए कड़े निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जल जीवन मिशन के तहत संचालित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित की गई। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने बैठक में निर्माणाधीन और संचालित सभी परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए परियोजना कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) ने बताया कि अब तक जनपद के 328 परियोजनाओं के माध्यम से 1000 राजस्व ग्रामों में शिरोपारि जलाशय एवं पंपों के जरिए जलापूर्ति हो रही है।

जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्थाओं को निर्देश दिए कि मार्च माह तक के ऑपरेटर मानदेय का भुगतान तुरंत सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भुगतान में लापरवाही पाई गई तो संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) और संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदाई संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन कार्यदाई संस्थाओं की परियोजनाओं में प्रगति अपेक्षित स्तर की नहीं है, उनके संबंध में शासन को पत्राचार किया जाएगा। साथ ही जिन क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रारंभ हो चुकी है, वहां के सभी सरकारी संस्थानों में शत-प्रतिशत नल कनेक्शन सुनिश्चित किए जाएं।

जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान परियोजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि जल जीवन मिशन की सभी योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सतत और गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति सुनिश्चित करना है।

सत्यापन में विशेष ध्यान देने के बिंदु

जिलाधिकारी ने ओ एंड एम के तहत संचालित 58 परियोजनाओं का अप्रैल माह में निर्धारित चेकलिस्ट के अनुसार पूर्ण सत्यापन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सत्यापन के दौरान परियोजनाओं से प्रभावित मार्गों की स्थिति, आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता, पाइपलाइन लीकेज, जल की गुणवत्ता, ऑपरेटरों के मानदेय भुगतान की स्थिति और आमजन से प्राप्त फीडबैक का विशेष परीक्षण किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि सभी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन और अन्य सरकारी भवनों में नल कनेक्शन की स्थिति का अनिवार्य सत्यापन किया जाए।

आंधी-बूंदाबांदी से बिजली व्यवस्था ठप 150 गांवों में रातभर अंधेरा

पेड़ गिरने और फॉल्ट से कई फीडर ठप, शहर में भी घंटों बाधित रही आपूर्ति

- ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराया

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मंगलवार रात आए तेज आंधी और बूंदाबांदी के चलते जिले की बिजली व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। पेड़ों की डालियां गिरने, ट्रांसफार्मर खराब होने और लाइन फॉल्ट के कारण शहर सहित करीब 150 गांवों में रातभर बिजली आपूर्ति बाधित रही।

जानकारी के अनुसार, रात करीब आठ बजे मौसम अचानक बदला और तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। इसका असर सबसे अधिक अशरफपुर बरवां विद्युत उपकेंद्र की 33 केवी लाइन पर पड़ा, जहां कई स्थानों पर पेड़ की डालियां गिरने से आपूर्ति ठप हो गई। उपकेंद्र से जुड़े हरिपुर, मजगवां, दरवन, हाथ पकड़, अशरफपुर, बरवां बाजार और आनंद नगर समेत करीब 50 गांवों में रात 12 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं बैरामपुर बरवां उपकेंद्र से जुड़े रामनगर, शिवबाबा, इंद्रलोक कॉलोनी और पहितीपुर फीडर रात नौ बजे ट्रिप कर गए। मरम्मत के बाद रात 11 बजे आपूर्ति बहाल हो सकी। इस दौरान फायर स्टेशन गली, मीरानपुर, पार्क गली और अयोध्या रोड चुंगी नाका क्षेत्र में भी बिजली आपूर्ति प्रभावित रही।

अकबरपुर विद्युत उपकेंद्र के तहत शास्त्रीनगर, गांधीनगर, रसूलाबाद, बसखारी रोड और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पेड़ गिरने से लाइन बाधित रही। इन इलाकों में रात 12 बजे तक आपूर्ति नहीं हो सकी। शहर के अन्य हिस्सों में भी एक से दो घंटे तक कटौती की समस्या बनी रही।

भीटी, महरुआ, कटेहरी, जमुनीपुर, मालीपुर, कल्याणपुर, जहांगीरगंज और जाफरगंज समेत कई ग्रामीण इलाकों में बिजली बाधित होने से पेयजल संकट खड़ा हो गया। मोटर न चलने से लोगों को पानी के लिए परेशानी उठानी पड़ी।

अम्बेडकरनगर में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक

बूथ स्तर मजबूत करने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के पहितीपुर रोड स्थित कुमार लॉन में कांग्रेस पार्टी की संगठनात्मक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी सत्यनारायण पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में जनहित के मुद्दों को उठाने की आवश्यकता है और पार्टी लगातार संघर्ष, त्याग और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ताधारी दल की नीतियों का प्रभावी विरोध करने के लिए संगठनात्मक मजबूती जरूरी है। बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद ने कहा कि हाल के चुनावी परिणामों से पार्टी को मजबूती मिली है और 2027 के विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने की अपील की। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के प्रयासों से जिले की सभी विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने का लक्ष्य तय किया गया है।

राहुल गांधी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की एकजुटता पर फोकस

निर्देश : डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा

गुरुल त्यौहार को लेकर अम्बेडकरनगर में अलर्ट

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी गुरुल त्यौहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार देर शाम जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने बसखारी थाना क्षेत्र के संवेदनशील और प्रमुख स्थानों का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्यौहार से जुड़े सभी कार्यक्रम निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही आयोजित किए जाएं। साथ ही साफ-सफाई, पेयजल, बिजली आपूर्ति और यातायात प्रबंधन को दुरुस्त रखने के लिए विशेष व्यवस्था करने को कहा गया।उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में आम लोगों को असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसके लिए सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दी जाए।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखने के निर्देश

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी के निर्देश

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्यौहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जुलूस मार्गों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और सार्वजनिक क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक ने असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने, संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त बढ़ाने और सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट पर निगरानी रखने के निर्देश दिए।

अकबरपुर में नए बस अड्डे को मिली कैबिनेट मंजूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर में नए बस अड्डे के निर्माण को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद भाजपा नेता और नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य ने मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री का आभार प्रकट किया। नए बस अड्डे के निर्माण पर कैबिनेट द्वारा 32.00 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

विवेक मौर्य ने बताया कि पिछले दो वर्षों से उन्होंने अकबरपुर में बस अड्डे के स्थानांतरण और निर्माण के लिए लगातार प्रयास किए। उन्होंने मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके समर्थन से यह लंबित मांग आज साकार हो सकी। मौर्य ने कहा कि यह निर्णय अकबरपुर और आसपास के क्षेत्रों की जनता के लिए सुविधाजनक और लाभकारी साबित होगा। नए बस अड्डे के निर्माण से अकबरपुर के यातायात और सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है। यह परियोजना यात्रियों और बस ऑपरेटरों के लिए सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ शहर की भीड़-भाड़ को कम करने में भी सहायक होगी।

विवेक मौर्य ने कहा कि अकबरपुर की सभी जनता को इस स्वीकृति के लिए बधाई और शुभकामनाएँ देते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि परियोजना के कार्य जल्द ही प्रारंभ होंगे और निर्धारित समय में पूरी हो जाएगी। इस स्वीकृति से स्थानीय स्तर पर रोजगार और परिवहन सुविधा में भी सुधार होगा।

सम्पादकीय

हठ छोड़ें अमेरिका-ईरान

ईरान पर होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए दबाव बढ़ाने के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे दी गई अपनी नई धमकी में जिस तरह यह कहा कि रात भर में पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा, वह आज के युग की भाषा नहीं है। यह बर्बर कबीलाई युग की भाषा है, जब युद्ध के कोई नियम नहीं होते थे और हमलावर बर्बरता की पराकाष्ठा दिखाने में संकोच नहीं करते थे।

21वीं सदी में आदिम युग वाली भाषा सभ्य समाज के लिए चिंता का विषय है। क्या यह विचित्र नहीं कि ट्रंप एक ओर यह कह रहे हैं कि अमेरिका के हमलों में ईरान रात भर में मटियामेट हो सकता है और दूसरी ओर वे यह भी चाह रहे हैं कि ईरान के महान लोगों पर ईश्वर की कृपा हो? समझना कठिन है कि उनका इरादा क्या है?

यदि वे समझौते की राह खोज रहे हैं तो उन्हें उसी हिसाब से सलीके से अपनी बात रखनी चाहिए। बीते कुछ दिनों से वे जैसी भाषा बोल रहे हैं, उससे तो बात बनने के बजाय बिगड़ती ही दिख रही है। इसमें संदेह नहीं कि अमेरिका ने इजरायल के साथ ईरान पर हमला बोलकर पश्चिम एशिया में एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया, लेकिन इस संकट ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है तो ईरान के कारण भी।

ईरान ने समुद्री मार्ग होर्मुज को बाधित कर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। वह इस समुद्री मार्ग को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। यह वह जल मार्ग है, जिससे ऊर्जा के पांचवें हिस्से का नौवहन होता है। इस मार्ग के बाधित होने से पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट लगातार गहरा रहा है और इसके चलते तमाम देशों की सरकारों के साथ-साथ आम लोगों के समक्ष परेशानी खड़ी हो गई है।

कहीं-कहीं तो उद्योग-धंधे बंद होने की नौबत आ गई है। गहराते ऊर्जा संकट के चलते महंगाई भी बढ़ रही है। एक तरह से ईरान ने होर्मुज पर कब्जा कर दुनिया को बंधक बनाने का काम किया है। उसकी लड़ाई तो अमेरिका और इजरायल से है। आखिर वह बाकी दुनिया को क्यों तंग कर रहा है? स्पष्ट है कि जहां अमेरिका को अपना रवैया बदलने की जरूरत है, वहीं ईरान को भी। ईरान का यह रवैया ठीक नहीं कि उसे अपनी बर्बादी की कोई परवाह नहीं।

यदि वह युद्ध थामने के लिए लचीलेपन का परिचय देने के स्थान पर हठ दिखाता रहेगा तो फिर अपनी तबाही को ही निमंत्रण देगा। उसके जो समर्थक उसे अपने रवैये पर अड़े रहने के लिए उकसा रहे हैं, वे केवल अमेरिका और इजरायल को ही पस्त-परेशान होते हुए नहीं देखना चाहते। वे ईरान के भी शुभचिंतक नहीं कहे जा सकते, क्योंकि यह युद्ध जितना लंबा खिंचेगा, उसकी बदहाली उतनी ही बढ़ेगी। अच्छा होगा कि मानवता के लिए संकट बनते जा रहे इस युद्ध में बीच-बचाव करने के लिए भारत अपनी सक्रियता बढ़ाए।

मुफ्त योजनाओं के सहारे है राजनीतिक पार्टियों की वोट खरीदी

> हालांकि मुफ्त योजनाएं राजनीतिक रूप से आकर्षक हो सकती हैं, उनकी वित्तीय स्थिरता गंभीर चिंता का विषय है। हिमाचल प्रदेश इसका एक उदाहरण है। राज्य का ऋण 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है

अक्सर मुफ्त सरकारी योजनाओं को लेकर देश में व्यापक बहस होती रहती है। सामाजिक विशेषज्ञों का एक वर्ग इन्हें अर्थव्यवस्था के लिए प्राणवायु मानता है तो वहीं दूसरा वर्ग इसे करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग करार देता है। उच्चतम न्यायालय भी समय-समय पर बढ़ती "मुफ्त संस्कृति" पर चिंता जता चुका है। इसी प्रकार, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भी राज्य सरकारों के बढ़ते कर्ज और ब्याज भुगतान के बोझ को लेकर लगातार अपनी रिपोर्टों में चेतावनी देता रहा है। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि जनकल्याणकारी योजनाओं और "मुफ्त उपहार" के बीच की रेखा अब धीरे-धीरे धुंधली होती जा रही है। जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, "मुफ्त उपहार" योजनाओं को लेकर राजनीतिक दलों में होड़ शुरू हो जाती है। यह राजनीतिक दलों के लिए एक आसान रास्ता भी बन गया है जहां जटिल नीतिगत सुधारों और संरचनात्मक बदलावों से बचते हुए सीधे मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की जाती है।

आगामी पांच राज्यों में चुनावों में भी राजनीतिक पार्टियों ने घोषणा कर दी है। केरल में कांग्रेस ने महिलाओं के लिए केएसआरटीसी की सभी बसों में मुफ्त यात्रा, प्रत्येक परिवार के लिए 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, कॉलेज जाने वाली छात्राओं के लिए 1,000 रुपये मासिक वित्तीय सहायता, 3,000 रुपये मासिक पेंशन और युवाओं के लिए 5 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा किया है। इन योजनाओं का अनुमानित वार्षिक खर्च लगभग 3,000–3,500 करोड़ रुपये है, बीमा राशि को छोड़कर।

इसी तरह, असम में कांग्रेस ने महिलाओं के लिए मासिक नकद सहायता, व्यवसाय शुरू करने वाली महिलाओं को 50,000 रुपये, परिवार के लिए 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, 10 लाख नागरिकों के लिए स्थायी भूमि पट्टे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 1,250 रुपये पेंशन का प्रस्ताव किया है, जिसका अनुमानित वार्षिक खर्च 28,000–30,000 करोड़ रुपये है। तमिलनाडु में एमके नेतृत्व वाली पार्टी ने किसानों के लिए मुफ्त पंप सेट, 35 लाख छात्रों के लिए लैपटॉप, महिलाओं के लिए मासिक सहायता दोगुनी करने और 10 लाख गरीबों के लिए नए आवास का वादा किया है। इसका अनुमानित खर्च 6,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष है (सतत सहायता) और 70,500 करोड़ रुपये (एकमुश्त इन्फ्रास्ट्रक्चर)।

ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त-उन्मुख एजेंडा का वित्तीय भार अत्यंत भारी है। सवाल उठता है कि क्या राज्य ऐसी योजनाओं को लागू कर सकते हैं बिना वित्तीय स्थिरता खोए और बिना आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं को प्रभावित किए। दूसरी ओर, भाजपा ने केरल में महिलाओं को 2,500 मासिक सहायता, दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, मुफ्त जल आपूर्ति और पेंशन वृद्धि का वादा किया है, वहीं असम में महिलाओं की सहायता राशि 3,000 करने की घोषणा की है। कुछ भी कहा जाए, महिलाओं को दी जाने वाली प्रत्यक्ष मासिक आर्थिक सहायता भाजपा के लिए हाल के वर्षों में एक प्रभावी और चुनावी दृष्टि से सफल रणनीति के रूप में उभरकर सामने आई है। मध्य प्रदेश से शुरू हुई 'लाड़ली बहना योजना' ने न केवल राज्य में दुबारा सत्ता हासिल की बल्कि इसी तरह की योजनाओ ने महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अब बिहार जैसे राज्यों में भी सत्ता हासिल कर इस योजना को स्थापित करने में मदद की।

मुख्यमंत्री, विधायक और वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन स्थगित हैं, सरकारी कर्मचारियों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ रहा है और बजट लगभग 3,500 करोड़ रुपये तक कम कर दिया गया है। ऋण-से-जीएसडीपी अनुपात भी राज्यों पर वित्तीय दबाव को दर्शाता है: अरुणाचल प्रदेश 57%, हिमाचल प्रदेश 45.2%, केरल 36.8%, और राजस्थान 35.8% के साथ उच्च ऋण स्तर पर हैं जबकि कर्नाटक 26.5%, तेलंगाना 26.2%, और असम 27.5% मध्यम स्तर पर हैं, और ओडिशा 16.3%, गुजरात 17.9%, और महाराष्ट्र 19% तुलनात्मक रूप से कम ऋण स्तर पर हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि व्यापक मुफ्त योजनाएं देने वाले राज्य अक्सर महत्वपूर्ण ऋण बोझ उठाते हैं जिससे आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं और दीर्घकालिक विकास परियोजनाओं को वित्तपोषित करने की क्षमता सीमित हो सकती है। यह मान लेना कि मुफ्त योजनाएं केवल समाज कल्याण का हिस्सा हैं, कई बार भ्रामक प्रतीत होता है। वास्तविकता यह है कि जब ये योजनाएं राजनीतिक लाभ और वोट आकर्षित करने के साधन के रूप में इस्तेमाल होने लगती हैं, तब उनका मूल उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। ऐसी स्थिति में लोकतांत्रिक विमर्श भी प्रभावित होता है, जहां नीतिगत बहस और दीर्घकालिक विकास के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं, और उनकी जगह तात्कालिक लाभ केंद्र में आ जाते हैं। परिणामस्वरूप, लोकतंत्र की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े होने लगते हैं । चिंता की बात यह है कि रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे का विकास और मूलभूत सुविधाएं—जैसे बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा—जैसे मुद्दे, जो किसी भी राज्य के सतत विकास की नींव होते हैं, वे अब "पुराने" और "कम आकर्षक" माने जाने लगे हैं। इसके स्थान पर राजनीतिक दल ऐसे वादे करना पसंद करते हैं जो तुरंत ध्यान आकर्षित करें और चुनावी मंचों पर चर्चा का विषय बन सकें परंतु सवाल यह उठता है कि क्या यह प्रवृत्ति लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए दीर्घकालिक रूप से उचित है? क्या हम तात्कालिक लाभ के बदले भविष्य की स्थिरता को दांव पर लगा रहे हैं?

अंततः, मुफ्त योजनाओं पर चल रही यह बहस केवल आर्थिक नहीं बल्कि लोकतंत्र की दिशा और गुणवत्ता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। आवश्यकता इस बात की है कि जनकल्याण और चुनावी प्रलोभन के बीच स्पष्ट रेखा खींची जाए, जहां सरकारें अल्पकालिक लोकप्रियता के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता दें। साथ ही, मतदाताओं को भी अपनी भूमिका समझनी होगी—तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर ऐसी नीतियों को समर्थन देना होगा जो रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना को मजबूत करें। क्योंकि अंत में, मजबूत अर्थव्यवस्था और सशक्त लोकतंत्र ही किसी भी समाज को स्थायी समृद्धि की ओर ले जा सकते हैं न कि केवल "मुफ्त" के आकर्षण पर आधारित निर्णय।

गजेंद्र सिंह

अंतरराष्ट्रीय कानून का... — ओंकारेश्वर पांडेय

महाशक्ति के अहंकार ने कूटनीति को कटुनीति बनाया

भाषा मिसाइलों से ज्यादा गहरा वार करती है। बम और मिसाइल किसी स्थान विशेष का ध्वंस करते हैं। पर भाषा साम्राज्यों के पतन का कारण बन जाती है। भारतीय इतिहास में ऐसे उदाहरण मौजूद हैं। यह सवाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 4 अप्रैल 2026 को ईरान के खिलाफ प्रयुक्त अपशब्द भरी ताज़ा धमकियों और मोदी समेत अनेक देशों के नेताओं के खिलाफ अक्सर इस तरह की भाषा का प्रयोग किये जाने से उठा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक सोशल मीडिया पोस्ट 4 अप्रैल को तेजी से वायरल हुआ। इस पोस्ट की भाषा ने न केवल कूटनीति के स्थापित मानदंडों को ध्वस्त कर दिया, बल्कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद निर्मित अंतरराष्ट्रीय विधिक व्यवस्था की नींव को हिलाकर रख दिया।

ईरान को दिए गए 48 घंटे के अल्टीमेटम में ट्रंप ने लिखाः

₹Open the Fuckin' Strait, you crazy bastards, or you'll be living in Hell — JUST WATCH! Praise be to Allah

यह महज़ एक बयान नहीं था, यह एक महाशक्ति के राष्ट्राध्यक्ष द्वारा वैश्विक मंच पर इस्तेमाल की गई संभवतः सबसे 'वल्गर' (अशिष्ट) और अपमानजनक भाषा थी। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' से लेकर 'द गार्जियन' तक, दुनिया के प्रतिष्ठित अखबारों ने इसे ₹कूटनीति का अवसान₹ और ₹अमेरिकी राष्ट्रपति पद की गरिमा पर गहरा धब्बा₹ बताया। यह जानना महत्वपूर्ण है कि कैसे यह बयान अंतरराष्ट्रीय कानून, अमेरिकी संविधान और मानवीय सभ्यता के हज़ारों वर्षों के कूटनीतिक इतिहास के विरुद्ध है।

अंतरराष्ट्रीय कानून का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध को रोकना और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 2(4) स्पष्ट रूप से किसी भी सदस्य देश द्वारा दूसरे देश की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बलों के प्रयोग या ₹बल प्रयोग की धमकी₹ (Threat of Force) को प्रतिबंधित करता है। ट्रंप का बयान अकादमिक बहस का विषय नहीं है कि यह धमकी है या नहीं; यह एक प्रत्यक्ष और नग्न धमकी है। विशेषज्ञों के अनुसार जब ट्रंप ₹बिजलीघरों को बर्बाद₹ (obliterate power plants) करने की बात करते हैं, तो यह सीधे तौर पर अनुच्छेद 2(4) का उल्लंघन है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) ने अपने कई फैसलों में (जैसे निकारागुआ बनाम अमेरिका) स्पष्ट किया है कि बल प्रयोग की धमकी देना उतना ही अवैध है जितना कि वास्तविक बल प्रयोग। युद्ध अपराध की मंशाः मानव अधिकार विशेषज्ञों और 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने रेखांकित किया है कि नागरिक बुनियादी ढांचे, जैसे बिजली संयंत्रों, को निशाना बनाने की धमकी देना युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है। रोम संविधि (Rome Statute) के तहत, नागरिक संपत्ति पर जानबूझकर किया गया हमला एक युद्ध अपराध है। ट्रंप की भाषा एक राष्ट्राध्यक्ष की नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की प्रतीत होती है जिसे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून की कोई समझ नहीं है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में बल प्रयोग के केवल दो अपवाद हैंः संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) का प्रस्ताव या अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा। चूंकि ईरान ने अमेरिका पर कोई सशस्त्र हमला नहीं किया था और न ही UNSC ने कोई मंजूरी दी थी, इसलिए ट्रंप की यह धमकी अंतरराष्ट्रीय कानून की दृष्टि से पूरी तरह 'अवैध' और 'अमान्य' है। अमेरिकी संविधान के तहत, राष्ट्रपति को विदेश नीति और सैन्य कमान (Commander-in-Chief के रूप में) के व्यापक अधिकार प्राप्त हैं। लेकिन, 'युद्ध की घोषणा' (Power to declare war) का अनन्य अधिकार अनुच्छेद 1, धारा 8 के तहत अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के पास है। ट्रंप की यह धमकी, यदि वास्तविक सैन्य कार्रवाई में बदल जाती तो यह अमेरिकी कानून का सीधा उल्लंघन होती क्योंकि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी नहीं ली गई थी।

इस टकराव... — डॉ घनश्याम बादल

दो हफ्ते का 'सीजफायर'

युद्ध विराम या हथियार मांजने की रणनीति ?

40 दिन के भीषण युद्ध, बारूद की बारिश, ईरान की सर्वोच्च लीडरशिप का खात्मा और बाद के दो दिनों में उसके इंफ्रास्ट्रक्चर की तबाही के बाद भी अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ और उसके बड़बोले राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान की दृढ़ता, अपनी राष्ट्रीय अस्मिता के प्रति समर्पण और उसकी तेल शक्ति तथा हथियारों की छिपी हुई ताकत के बल पर घुटनों के बल आना पड़ा और जैसे-तैसे चीन की मदद से इस युद्ध में सीज फायर करना पड़ा है यह भी कह सकते हैं कि एपिक फ्यूरी फुस्स सिद्ध हुई।

मध्य-पूर्व की बारूदी ज़मीन पर अमेरिका और ईरान के बीच घोषित दो हफ्तों का "सीजफायर" पहली नजर में शांति का संकेत लगता है, लेकिन गहराई में जाएं तो यह अधिक एक रणनीतिक विराम प्रतीत होता है,ऐसा विराम जिसमें दोनों पक्ष अपनी थकी हुई सैन्य और कूटनीतिक ताकतों को पुनर्गठित कर रहे हैं। यह ठहराव उस संघर्ष की जड़ों को नहीं मिटाता जो दशकों से अविश्वास, वैचारिक टकराव और क्षेत्रीय प्रभुत्व की होड़ में उलझा हुआ है।

इस टकराव के मूल कारणों में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच चली आ रही वैचारिक शत्रुता प्रमुख है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, पश्चिम एशिया में उसका बढ़ता प्रभाव और इजरायल के प्रति उसका कड़ा रुख, ये सभी कारक अमेरिका की आक्रामक नीति के आधार रहे हैं। वहीं, अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों ने ईरान को आर्थिक रूप से तो कमजोर किया ही, साथ ही उसे क्षेत्रीय स्तर पर अधिक आक्रामक और आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित किया। दो हफ्तों के इस सीजफायर के पीछे दोनों देशों की रणनीतिक विवशताएं साफ झलकती हैं। अमेरिका, जो अब अपनी प्राथमिकताओं को चीन की चुनौती और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की ओर केंद्रित कर चुका है, मध्य-पूर्व में लंबा युद्ध नहीं चाहता। वहीं ईरान, जो आंतरिक आर्थिक संकट, महंगाई और जन-असंतोष से जूझ रहा है, खुली जंग का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में यह सीजफायर दोनों के लिए "रणनीतिक सांस" लेने का अवसर है।

शांति प्रस्तावों की बात करें तो अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण, क्षेत्रीय मिलिशिया समूहों पर लगाम और इजरायल की सुरक्षा की गारंटी को प्रमुख शर्तों के रूप में रखा है। इसके बदले में आर्थिक प्रतिबंधों में ढील का प्रस्ताव दिया गया है। दूसरी ओर, ईरान ने अपने संप्रभु अधिकारों की रक्षा करते हुए सभी प्रतिबंधों को हटाने, क्षेत्रीय मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप बंद करने और सुरक्षा आश्वासन की मांग की है। इन परस्पर विरोधी मांगों के बीच भरोसे की कमी ही सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है।

पश्चिम एशिया संकट, फंस गए रे ट्रंप

वर्ष 2010 की चर्चित फिल्म 'फंस गए रे ओबामा' एक कामेडी फिल्म थी। यह एक त्रासदी से उपजी थी। इसकी कहानी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका में उभरे आर्थिक संकट से ग्रस्त भारत आए एक एनआरआइ से संबंधित थी। जैसे अमेरिका में आई मंदी ने उस वक्त सारे विश्व को परेशान किया, वैसे ही अमेरिका की ओर से इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर किए गए हमले से आज सारा विश्व त्रस्त है। इस युद्ध को जारी हुए एक महीने से अधिक का समय बीत गया है और कहना कठिन है कि यह कब समाप्त होगा? यदि अमेरिका इजरायल का साथ नहीं देता तो इस युद्ध की नौबत ही नहीं आती, लेकिन ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते ईरान को वेनेजुएला समझ लिया और बिना यह विचारे उस पर चढ़ाई कर दी कि उसने कितनी एवं कैसी सैन्य क्षमता हासिल कर ली है? वे इसे भी भांप नहीं सके कि ईरान पड़ोसी देशों में हमले करके और होर्मुज समुद्री मार्ग अवरुद्ध कर उनके पसीने छुड़ा देगा। वह फिलहाल सचमुच ऐसा करने में समर्थ है और ट्रंप को सूझ नहीं रहा है कि वे इस युद्ध से कैसे निकलें?

एक ओर वे सबसे शक्तिशाली शासक और विश्व के नीति-नियंता होने के गुमान में हैं और दूसरी ओर ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मोहलत पर मोहलत देकर अपनी कमजोरी भी जाहिर कर चुके। यदि उनकी सेना इतनी ही शक्तिशाली है तो ईरान की मारक क्षमता कम होने का नाम क्यों नहीं ले रही है? वह ऐसी-ऐसी मिसाइलें दागने में लगा हुआ है, जिससे अमेरिका भी दंग है और इजरायल भी।

राजीव सचान

जरा हटके

जहां तक प्रभावशीलता... — कमलेश पांडेय

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रहते हुए भी युद्ध अपराध को ठेंगा क्यों दिखा देते हैं वीटो धारी देश?

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के दृष्टिकोण से युद्ध अपराध ऐसे कार्य हैं जो युद्ध के दौरान अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून₹ के स्पष्ट नियमों का गंभीर उल्लंघन करते हैं, जैसे निर्दोष नागरिकों, अस्पतालों, स्कूलों या सुरक्षित उद्देश्यों पर जानबूझकर हमला, यातना, संघर्षनिरत व्यक्तियों के साथ अमानवीय व्यवहार, लड़ाई में निषिद्ध हथियारों का उपयोग आदि। लिहाजा, इन अपराधों के लिए राज्य नहीं बल्कि व्यक्ति अर्थात सैनिक, सेनाधिकारी, नेता वगैरह व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह होते हैं। फिर भी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के रहते हुए भी वीटो धारी व उनके चहेते मजबूत देश युद्ध अपराध को ठेंगा क्यों दिखा देते हैं? यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

वास्तव में, कभी अमेरिका/यूरोप तो कभी रूस/चीन की ओर से या उनके शह पर युद्ध और युद्ध अपराध होते आये हैं। पुराने युद्धों की बात यदि भूला भी दी जाए तो अमेरिका-ईरान और रूस-यूक्रेन युद्ध बिना कहे सबकुछ चुगली कर जाते हैं। जो हो रहा है वह भारत के वैश्विक वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवंतु सुखिनः की अवधारणा के बिल्कुल उलट है। इसलिए हमारी निर्गुट चिंताएं स्वाभाविक हैं और मानवीय पक्षों पर सदैव मुखर रहती आई हैं। इसलिए इस विषय को जानना समझना सभी भारतीयों के लिए जरूरी है।

उल्लेखनीय है कि युद्ध अपराध का अंतरराष्ट्रीय कानूनिक आधार अंतरराष्ट्रीय कानून में युद्ध अपराधों के लिए मुख्य स्रोत ये हैंः पहला, 1949 के जिनेवा समझौते और उनके अतिरिक्त प्रोटोकॉल, जो संघर्ष

में नागरिकों, कैदियों, घायल सैनिकों आदि की सुरक्षा के नियम बताते हैं। दूसरा, रोम संविधि, जिससे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) को नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और आक्रामकता के अपराधों पर व्यक्तिगत जवाबदेही स्थापित करने का अधिकार मिला है। देखा जाए तो शुद्ध "कानूनी ढांचे" की दृष्टि से यह बहुत मजबूत है- क्योंकि ये नियम आपको बताते हैं कि किस प्रकार के हमले अनुमत हैं, किसे निशाना बनाना वर्जित है और किस स्थिति में व्यक्ति फौरन दोषी ठहराया जा सकता है।

जहां तक प्रभावशीलता और "वीटो देशों" की भूमिका की बात है तो व्यवहार में यह कानून कमजोर लगता है, क्योंकिः

आईसीसी (ICC) के अधिकार क्षेत्र की सीमा यहां अहम है। लिहाजा, यह तभी लागू होता है जब देश स्वयं रोम संविधि का पक्षकार है या सुरक्षा परिषद आईसीसी को संदर्भित करती है। चूंकि अमेरिका, रूस, चीन, भारत जैसे चार बड़े और शक्तिशाली देश खुद ही आईसीसी के सदस्य नहीं हैं, इसलिए इनके खिलाफ आसानी से मुकदमे नहीं चलते। यही वजह है कि इस कानून की जब तक धज्जियाँ उड़ती रहती हैं और देश/दुनिया के शांति लोग/देश असहाय और किंकर्तव्यविमूढ़ बने रहते हैं।

श्रद्धा त्याग संयम तप

जिस प्रकार इंसान को जीवित रहने के लिये आहार की आवश्यकता होती है ठीक उसी प्रकार चित और मन की शुद्धि के लिए धर्मराधना और प्रार्थना की आवश्यकता होती है। धर्मराधना करना और अपने इष्ट की स्तुति करने से हमारे चित का शुद्धीकरण होता है,मन से ग़लत विकार दूर होते हैं और कष्ट के समय उसे सहन करने की शक्ति मिलती है। हर इंसान को अपने चित और मन की शुद्धि के लिये नियमित धर्मराधना और भगवान से प्रार्थना करनी चाहिये जिससे यह जीवन सार्थक हो जायेगा। समय की महत्ता और शक्ति को न जानने वाले,जिन्दगी की जंग हार जाते है।समय के साथ कदमताल करने वाले, अपने गंतव्य तक पहुंच जाते है।विज्ञ,प्रबुद्धजन समय की नब्ज आदि पहचानने का मंत्र हमेशा हमे समझाते रहें है पर हम प्रमाद के वशीभूत बन सच्चाई और यथार्थ को भूल जाते हैं। मानव भव मिला है यह तो हम सब जानते हैं। यह जीवन अति दुर्लभ है, यह भान बहुत कम को है, इसलिए ऐसा बहुत कम लोग मानते हैं। यही कारण है कि इस जीवन का सदुपयोग भी हम सब सही से नहीं कर पाते हैं। वह हम यूं ही गफलत में चिन्तामणि रत्न को कंकर समझ गंवा देते हैं। हमारा मानव जीवन पूर्व भवों के पुण्य कर्मों का अनमोल उपहार है। मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर होने का हमारा ठोस आधार है। वह इस बहुमूल्य रत्न को हमारे द्वारा यूं ही गवा देने की नादानी वे ही करते हैं जो जौहरी नहीं होते हैं। वे नहीं जानते कि यह जीवन श्रेष्ठ बनने का, श्रेष्ठ करने का, श्रेष्ठ पाने का एक अवसर हैं । वे नहीं जानते कि इस दुर्लभ जीवन को पाना कितना दुर्लभ है। अर्थ की धूरी पर ही लगता है, सारे तंत्र घूम रहे हैं । अर्थ को हाथ का मैल बताने वाले भी, उसी दलदल मे डूब रहे हैं । वह बुद्धि, विवेक भी धुंधला जाते है, अगर पैसा पास न हो तो , पैसे को नशा बताने वाले भी, उसी के नशे मे झूम रहे हैं । साधु- साध्वी आदि ज्ञानी हमारे द्वारा इस जीवन को नादानी से यूं ही गंवाते देख हतप्रभ हैं। हमको अपने ही किये कर्मों के कारण इस पांचवे आरे में जन्म मिला है। परन्तु इस मानव भव को सफल बनाने के लिए हमें आध्यात्मिक बनकर सम्यक्त्व को प्राप्त करने का ध्येय रखना चाहिए। ताकि सूई में धागा पिरो दिया तो वह मिल जाएगी। अतः सबसे यही विनम्र विनती है कि हम इस बहुमूल्य अवसर को यूं ही न खोएं, काल- भाव क्षेत्र की अनुकूलता के सहारे हम आगे यथोचित प्रयत्न कर मोक्ष मार्ग की ठोस नींव लगाएं । किसी ने कहा कि पथ में कांटे बहुत बिछे हैं, कैसे मैं कदम बढ़ाऊंगा । लाख कोशिशें करके भी मैं, पीछे ही रह जाऊंगा । वह पीछे नहीं देखना मुड़के, ठान लिया है ये सब मैंने बाधायें लांघ लक्ष्य को, हासिल कर दिखलाऊंगा ।

› प्रदीप छाजेड़

आगरा में तीन महीने पहले हुई थी शादी, परिजन तख्तियां लेकर थाने पर बैठे, लिखा- न्याय दो

पत्नी के बाल खींचकर घसीटा गला दबाया मौत

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में शादी के 4 महीने बाद 1 अप्रैल को एक महिला की मौत हो गई। महिला के गले पर चोट के निशान थे। मायकेवालों ने बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया। लेकिन, पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया। लेकिन, आज (बुधवार) एक CCTV फुटेज ने पूरी घटना से पर्दा उठा दिया। इसमें महिला सड़क पर भाग रही है। इसके बाद पति उसे पकड़कर गला दबाता दिख रहा है। वीडियो सामने आने के बाद महिला के मायकेवाले

मानसी, मृतक

थाना एत्माद्दौला पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। इसके बाद मायकेवाले डीसीपी ऑफिस पहुंच गए और गेट पर ही तख्तियां लेकर बैठ गए। तख्तियों पर लिखा है- WE WANT JUSTICE, मानसी को न्याय दो। घटना बल्केश्वर के अनुराग नगर की है। न्यू सीतानगर में रहने वाले अशोक कुमार राठौर ने अपनी बेटी मानसी की शादी 11 दिसंबर, 2025 को बल्केश्वर के अनुराग नगर निवासी प्रिंस उर्फ भोला के साथ की थी। शादी में करीब 25 लाख रुपए खर्च कर दहेज में ज्वेलरी, कपड़े, बर्तन और कैश दिया था। घरवालों का आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल वालों ने और दहेज की मांग शुरू कर दी। मकर संक्रांति (15 जनवरी) से पति, सास-ससुर ने कार और ढाई लाख रुपए की मांग को लेकर मानसी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। मांग पूरी न होने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जाती थी।

महिला को 31 मार्च की रात जमकर पीटा गया

31 मार्च की रात करीब 11 बजे मानसी के साथ ससुरालवालों ने जमकर मारपीट की। अगले दिन 1 अप्रैल की सुबह 8:43 बजे मानसी ने फोन कर अपनी मां को पूरी बात बताई। इसके बाद मायकेवाले ससुराल पहुंचे और उनको समझाने की कोशिश की। लेकिन, ससुरालवालों ने साफ कह दिया कि बिना कार और कैश लिए वे लोग मानसी को अपने घर में नहीं रखेंगे। मायकेवालों ने बताया कि काफी मिन्नतें करने के बाद ससुरालवाले माने। लेकिन, उसके कुछ घंटे बाद सूचना मिली कि मानसी की मौत हो गई। इसके बाद मायकेवालों ने आरोप लगाया कि पति प्रिंस, ससुर महेश चंद और सास बबली ने मिलकर मानसी की हत्या की है। पुलिस से भी शिकायत की गई, लेकिन पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया।

गला दबाते हुए सीसीटीवी भी आया सामने

मायकेवालों ने बताया कि आज मानसी के साथ मारपीट का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें मानसी अपनी जान बचाकर ससुराल से भागी थी। उसे पकड़ने के लिए पति प्रिंस पीछे भाग रहा था। मानसी को पकड़ने के बाद प्रिंस मारते-पीटते घर ले गया।

मायकेवालों का आरोप है कि घर ले जाने के बाद सभी ने उसे मारा, सुबह बेटी से फोन पर बात हुई तो उसने बताया कि मुझे बहुत मारा है, जब मानसी के पास उसके घर पहुंचे, उसका पूरा मुंह सूजा हुआ था, दहेज को लेकर सहमति हुई, लेकिन अगले दिन पता चला कि 1 अप्रैल को मानसी को मार दिया है। पीड़ित पिता ने थाना कमला नगर में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

परिजन गेट पर ही तख्तियां लेकर बैठे हैं। तख्तियों पर लिखा है- WE WANT JUSTICE, मानसी को न्याय दो।

मानसी की मौत के बाद दो दिन लगातार राठौर समाज ने जमकर विराध प्रदर्शन किया था। लोगों ने अनपी दुकान बंद कर के भी इसका विरोध किया था। थाने का भी घेराव किया गया। अगले दिन शहीद स्मारक तक कैंडल मार्च निकालकर विरोध जताया था। लेकिन फिर भी कार्रवाई न हो सकी।

मेरठ में स्कूल बस पलटी, बच्चे चिल्ला-चिलाकर रोए

शीशा तोड़कर 35 बच्चों को निकाला

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में 35 स्कूली बच्चों से भरी स्कूली बस बुधवार सुबह साढ़े सात बजे सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में 10 से अधिक बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे। शीशे तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला। कई बच्चे सीटों के बीच फंसे हुए थे। घायल बच्चों को बाइक और एंबुलेंस से एसडीएस ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डॉक्टरों के मुताबिक, ज्यादातर बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। बस सेंट मैरी एकेडमी की थी। हादसा काली नदी के पास सड़क पर हुआ। बस में बच्चों के बैग और किताबें बिखरी नजर आईं। हादसे के बाद बच्चे घबरा गए। जोर-जोर से रोने लगे। आसपास के लोगों ने बच्चों को किसी तरह शांत कराया। परिजनों

को सूचना दी। कई अभिभावक अस्पताल और स्कूल पहुंच गए। प्रिंसिपल ऑफिस का घेराव किया और नारेबाजी की। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद ड्राइवर भाग गया है। जल्द ही उसके पकड़ा जाएगा। क्रेन बुलाकर बस को खाई से निकलवाया गया। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

चिंदौड़ी के रहने वाले छात्र अक्षुण ने बताया-ड्राइवर अंकल मोबाइल देख रहे थे, तभी बस पलट गई। कई बच्चों को चोट लगी है। बस पलटते ही शीशे टूट गए। मैं किसी तरह बाहर निकल पाया।

फास्ट न्यूज

दो कारोबारियों से 1.07 करोड़ की ठगी

आगरा । साइबर अपराधियों ने निवेश करने पर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर दो कारोबारियों से 1.07 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। दोनों को सोशल मीडिया के माध्यम से जाल में फंसाया और फिर व्हाट्सएप ग्रुप से जोड़ लिया। निवेश के बाद जब कारोबारियों ने मांगा तो आरोपियों ने और रकम की मांग की। ताजगंज के पुलकित गोयल ने पुलिस को बताया-सोशल मीडिया के माध्यम से एक व्हाट्सएप ग्रुप 610 बार्कलेज स्मार्ट स्टॉक पिक्स से जुड़ गया था।

ग्रेटर आगरा-बुकिंग को करना होगा एक महीने का इंतजार

आगरा । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा की तर्ज पर विकसित होने जा रहे ग्रेटर आगरा का मंगलवार को भूमि पूजन कर शिलान्यास तो कर दिया लेकिन यहां प्लॉट बुकिंग के लिए अभी एक महीने का इंतजार करना होगा। क्योंकि अभी तक इसके रेट तय नहीं हैं।

रेट तय होने में लगभग एक महीने का समय लगेगा। अप्रैल के आखिर में आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) बोर्ड की बैठक होगी, उसमें रेट तय होंगे। इसके बाद ही ग्रेटर आगरा में प्लॉट की बुकिंग शुरू होगी।

एनसीईआरटी की जगह निजी किताबों से हो रही पढ़ाई

आगरा। शासन के सख्त आदेश के बाद भी स्कूलों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। एनसीईआरटी के बजाय महंगी निजी किताबों से पढ़ाई कराई जा रही है और स्कूलों के बाहर ही निजी किताबों की दुकानें संचालित कर अभिभावकों पर खरीद का दबाव बनाया जा रहा है। बीएसए ने कहा कि ऐसे स्कूलों पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

निषाद समाज ने शोभायात्रा निकालकर मनाई निषादराज जी की जयंती

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद के कस्बा शेरगढ़ में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी निषाद समाज द्वारा निषादराज महाराज जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शोभायात्रा कस्बे के मंगलेश्वर बगीची से आकर्षक बैंड-बाजों के साथ प्रारंभ हुई। यह यात्रा निषाद मोहल्ला होते हुए मुख्य बाजार पहुंची, जहां पर डॉक्टर तुलाराम तिवारी के नेतृत्व में युवा समाजसेवी लोकेश गर्ग, गिरीश तिवारी, चाहत गोयल, दीपक बंसल और कपिल गर्ग ने अध्यक्ष मेघश्याम निषाद का स्मृति चिन्ह एवं शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। साथ ही मिष्ठान वितरण कर सभी का अभिनंदन किया गया।

शोभायात्रा का कस्बे में जगह-जगह विभिन्न समाजों एवं समाजसेवियों द्वारा स्वागत किया गया। पूरे मार्ग में "निषादराज महाराज की जय" के जयघोष गूंजते रहे, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इसके पश्चात शोभायात्रा पटेल चौक होते हुए पुनः मंगलेश्वर बगीची पहुंचकर संपन्न हुई।

कानपुर में 20 साइबर ठगों को दौड़ाकर पकड़ा

कानपुर। यूपी में एक और 'मिनी जामताड़ा' का भंडाफोड़ हुआ है। कानपुर पुलिस 17 गाड़ियों के साथ फिल्मी स्टाइल में पहुंची। ड्रोन से रेकी करते हुए पूरे इलाके को चारों ओर से घेर लिया। फिर खेतों में बनीं झोपड़ियों में से 20 साइबर ठगों को अरेस्ट किया। इनसे ही ये लोग ठगी का धंधा चलाते थे। पुलिस के अनुसार, साइबर ठग देशभर में लोगों को कभी पुलिस अधिकारी बनकर तो कभी आवास योजना या बैंक लोन के नाम पर झांसा देते थे। पकड़े गए सभी ठग 5वीं, 8वीं या 11वीं पास हैं। मंगलवार शाम पुलिस की यह कार्रवाई घाटमपुर के रेउना क्षेत्र में की गई। ऑपरेशन को एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके ने लीड किया। एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके के अनुसार, कानपुर का रेउना क्षेत्र साइबर ठगी के धंधे का हॉटस्पाट बन रहा था। यहां से पूरे देश में साइबर ठगी की जा रही थी। पुलिस के प्रतिबिंब पोर्टल पर रठिगांव, लक्ष्मणपुर, समाज नगर, बड़ेला और आदिगांव में साइबर ठगी के हॉट स्पॉट के रूप में हाईलाइट हो रहा था।

भ्रामक सोशल मीडिया और अंधविश्वास के विरुद्ध विज्ञान को ढाल बनाने का आह्वान

केएम विश्वविद्यालय मथुरा में 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' का भव्य आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। धर्म और संस्कृति की नगरी मथुरा स्थित प्रतिष्ठित केएम विश्वविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' के उपलक्ष्य में एक विशाल जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की वैश्विक थीम "टुगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस" (सेहत के लिए एकजुटता, विज्ञान के साथ अटूट विश्वास) के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी चुनौती-सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक जानकारियों और चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त अंधविश्वास पर गहरा प्रहार किया। सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डा. विजय कुमार की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनसी प्रजापति, प्रति कुलपति डॉ. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डॉ. पूरन सिंह, परीक्षा नियंत्रक समीक्षा भारद्वाज, मेडिकल प्राचार्य डॉ. पीएन भिसे, एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट की गरिमामयी उपस्थिति में माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर सामुदायिक चिकित्सा विभाग के छात्र-छात्राओं ने समस्त मुख्य अतिथियों का पटुका पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एमबीबीएस (बैच 2023) के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया एक प्रभावशाली नाटकीय रूपांतरण रहा।

मेडिकल प्राचार्य डॉ. पीएन भिसे ने विद्यार्थियों को वर्ष 1948 में डब्ल्यूएचओ की स्थापना से लेकर अब तक की चिकित्सा जगत की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने के लिए प्रेरित किया।

छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मकता से स्वास्थ्य चुनौतियों को प्रदर्शित किया। जिसमें प्रथम स्थान एएनएम विभाग की वर्षा, नीशा और प्रीति ने सामूहिक रूप से अपनी बेहतरीन कलाकृति के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि द्वितीय स्थान जीएनएम की छात्रा पलक, सुराज और भावना को मिला तथा तृतीय स्थान एएनएम प्रथम वर्ष की शांति, मनमहेन्द्री और हेमलता ने तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई। सभी मेधावी विजेताओं को कुलपति एवं अन्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

मेरठ में महिला फूट-फूटकर रोई, व्यापारी बोले- अफसरों की बेईमानी ने मार दिया

दुकानों की सीलिंग देखकर कारोबारी को हार्टअटैक

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ की सेंट्रल मार्केट की सीलिंग को लेकर बुधवार को दूसरे दिन भी हंगामा हुआ। अफसर सीलिंग करने पहुंचे तो नाराज कारोबारी सड़क पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान एक कारोबारी को हार्टअटैक आ गया। साथी कारोबारी उन्हें टांगकर एम्बुलेंस तक ले गए। उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दुकानों को सील होता देखकर महिलाएं फूट-फूट कर रोने लगीं। एक कारोबारी ने कहा-सरकार ने हमें मार दिया। आवास विकास के अधिकारियों ने बेईमानी की। हमें गुमराह किया। 70 करोड़ रुपए वसूलने के बाद भी हमारे प्रतिष्ठानों को सील किया जा रहा ।

इधर, हंगामे की सूचना पर सपा नेता जीतू नागपाल पहुंचे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस पर ADM सिटी ब्रजेश सिंह भड़क गए। कहा- राजनीति अपने घर जाकर करना। यहां बात करनी है, तो व्यापारियों की करो। राजनीति करोगे, तो जेल भेज दूंगा। इस पर सपा नेता ने कहा- हम भी व्यापारी हैं। व्यापारी हित की ही बात करने आए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने शास्त्रीनगर की सेंट्रल मार्केट में 44 संपत्तियों को सील करने का आदेश दिया है। मंगलवार

डिप्टी हाउस कमिश्नर बोले- 39 संपत्तियां हो चुकीं सील

आवास विकास के डिप्टी हाउस कमिश्नर अनिल कुमार ने बताया कि 44 संपत्तियों को सील किया जाना है। जिसमें से 39 हो चुकी हैं। इन संपत्तियों में कुल 3 बैंक, 6 स्कूल, 6 हॉस्पिटल भी हैं। उनको भी सील किया जा चुका है। 498/3 परिसर में पूजा सामग्री की दुकान चलाने वाली महिला सीलिंग की कार्रवाई देखते ही बिलख कर रोने लगी। सभी व्यापारियों का कहना है कि लंबे समय तक मेहनत करने के बाद ये दुकानें ली थी, लेकिन आज अब सीलिंग के बाद सब खत्म होता दिखाई दे रहा है।

शाम कारोबारियों को लिखित रूप में आदेश मिला। बुधवार सुबह आवास विकास परिषद की 7 टीमों ने सुधा हॉस्पिटल से सीलिंग की कार्रवाई शुरू कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (6 अप्रैल) को मेरठ के पूर्व कमिश्नर हृषिकेश भास्कर यशोद और आवास विकास के चेयरमैन पी. गुरुप्रसाद को

सेंट्रल मार्केट में आवास विकास परिषद की टीमों ने सीलिंग की कार्रवाई की।

व्यापारी बोले- गुरुवार को बंद रहेगा बाजार

आवास विकास प्रशासन सेंट्रल मार्केट में सीलिंग की कार्रवाई कर रहा है। वहीं दूसरी ओर व्यापारी कल होने वाली बंदी के लिए प्रचार कर रहे हैं। संयुक्त व्यापार संघ ने गुरुवार को पूरे शहर में बंदी का ऐलान किया है।

तलब किया था। दोनों को जमकर फटकार लगाई थी।

लोग पहले धुआंधार को नहीं जानते थे : अखिलेश यादव

पोस्टर लगने के बाद पूरा प्रदेश जान गया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर देहात। कानपुर देहात में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने महंगाई, किसानों की समस्याओं, चुनाव प्रक्रिया और पर बयान दिए।

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ दिन पहले कोडिन भाई आए थे। कालीन भाई के बाद अब किडनी भाई की चर्चा है। लगता है इन सब पर कोई ओटीटी भी बन सकती है।उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि जिस तरह से गांजा पकड़े जाने की खबरें आती रहती हैं। कहीं ऐसा न हो कि गांजा भाई भी चर्चा में आ जाए।

अखिलेश यादव ने कहा कि अपने ही सांसदों का मजाक उड़ाया जा रहा है। जबकि वे जनता के

आशीर्वाद से चुनकर आए हैं। पोस्टर और बैनर को लेकर उन्होंने टिप्पणी की। लोग पहले 'धुआंधार' को नहीं जानते थे। लेकिन लखनऊ में पोस्टर लगने के बाद अब पूरा प्रदेश जान गया है। महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले नौ साल में जनता को कोई राहत नहीं मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाज की व्यवस्था कमजोर रही और प्रदेश विकास में पिछड़ गया। उन्होंने बारिश से प्रभावित किसानों को 100 प्रतिशत मुआवजा देने की मांग भी की।

अलर्ट : मुजफ्फरनगर में 20 फीट सड़क धंसी, यूपी के 25 शहरों में आंधी-बारिश

प्रयागराज में पीपा पुल बहा 4 शहरों में ओले गिरे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर। यूपी में बारिश-आंधी का सिलसिला थम नहीं रहा। बुधवार सुबह से लखनऊ, गोंडा, गोरखपुर, जौनपुर और अलीगढ़ समेत 25 जिलों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। मेरठ, बरेली, शाहजहांपुर और लखीमपुर में दोपहर बाद ओले गिरे। सड़कों-खेतों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। प्रयागराज के मेजा में गंगा फेरी घाट पर बना पांटून (पीपा) पुल पानी के तेज बहाव में बह गया। बाराबंकी में चलती रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई। मुजफ्फरनगर में 20 फीट सड़क धंस गई। ग्रामीण इलाकों में कई जगह खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल डूब गई। मौसम विभाग ने आज 47 जिलों में बारिश और 9 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

प्रयागराज के मेजा में पांटून पुल बह गया

प्रयागराज की मेजा तहसील के गंगा फेरी घाट पर मंगलवार रात आए तेज आंधी-तूफान में पांटून पुल का एक हिस्सा तेज बहाव में बह गया। जिससे उसका दूसरी ओर से संपर्क टूट गया। स्थानीय लोगों को अब रास्ता पार करने के लिए दूसरे रास्ते से जाना पड़ रहा है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- पश्चिम विक्षोभ की वजह से मौसम बदल गया है। कल से इसका असर खत्म हो जाएगा, लेकिन 11 अप्रैल से नया विक्षोभ एक्टिव होगा। इससे मौसम फिर से बिगड़ेगा। तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। तापमान में 4 से 6 डिग्री तक गिरावट आएगी।

योगी ने अफसरों को किसानों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे करने और मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। कहा- सरकार अन्नदाताओं के साथ खड़ी है। उन्हें 24 घंटे में राहत दिलाई जाएगी।

यूपी के आसपास के राज्यों में भी मौसम बिगड़ा

पश्चिमी विक्षोभ की वजह से यूपी से लगे राज्यों में भी मौसम बिगड़ा हुआ है। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी की वजह से जनवरी-फरवरी जैसी ठंड पड़ रही है। उत्तराखंड के 10 जिलों में तेज बारिश हो रही है। हरियाणा और पंजाब में भी मौसम बिगड़ा हुआ है। बिहार में बादल छाए हैं। आंधी-बारिश का अलर्ट है।

किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, मंगलवार की बात करें तो आगरा, मथुरा समेत 15 जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। कानपुर-झांसी में कई पेड़ और पोल उखड़ गए। लखनऊ में खराब मौसम की वजह से दो फ्लाइट्स लैंड नहीं कर पाईं। उन्हें वाराणसी डायवर्ट करना पड़ा। इस दौरान फ्लाइट आधे घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही।

शाहगंज यार्ड का द्वितीय चरण किया गया चालू

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। शाहगंज यार्ड का प्रथम चरण 05.10.2024 को चालू किया गया था। हालांकि, लाइन संख्या 1, 2 और 3 चालू नहीं की जा सकीं क्योंकि मौजूदा स्टेशन भवन को ध्वस्त करने के बाद इन लाइनों को जोड़ा जाना था। अब इन्हें चालू कर दिया गया है और निम्नलिखित सुविधाएं जोड़ी गई हैं:

द्वितीय चरण में निर्मित नई सुविधाएं:

1. नए स्टेशन भवन का निर्माण (132 x 10.40 मीटर, पोर्च का आकार 24.30 x 9.65 मीटर)।
2. प्लेटफार्म 1 से 6 को जोड़ने वाले 6.0 मीटर चौड़े नए फुटबोर्ड (FOB) का प्रावधान।
3. नए हाई-लेवल प्लेटफार्म-1 का विकास (643 मीटर × 12.0 मीटर चौड़ा)।

4. नए हाई-लेवल प्लेटफार्म-2 का विकास (625 मीटर)।
5. लाइन संख्या 1, 2 और 3 को जोड़ना और चालू करना।
6. 1675 वर्ग मीटर पार्किंग क्षेत्र का विकास।
7. 255 मीटर x 15 मीटर सर्कुलेटिंग रोड का विकास।

परिचालन संबंधी लाभः

1. यात्री रेलगाड़ियों के संचालन

के लिए अब 2 अतिरिक्त उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं।

2. यातायात के लिए 3 अतिरिक्त लाइनें उपलब्ध हैं।
3. राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र (एनईआर) की ओर से अब दोनों दिशाओं में रेलगाड़ियों का संचालन संभव है, जिससे परिचालन लचीलापन और क्षमता में वृद्धि हुई है।

पिकअप लूटकर 200 किमी दूर फेंकी दोनों की लाश, 3 घंटे हंगामा, भारी फोर्स तैनात

बाप-बेटे के हाथ बांधे, गला घोंटकर मार डाला

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल के रहने वाले पिता-पुत्र की लूट के बाद हत्या कर दी गई। आरोपियों ने दोनों के शव संभल से करीब 200 किमी दूर शामली में एक गन्ने के खेत में फेंक दिए। फिर फरार हो गए।

बुधवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद जब शव गांव लाए गए तो लोग भड़क गए। परिवार के साथ लोगों ने भिरावटी चौराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया।

ग्रामीणों ने पुलिस अफसरों से कहा, जब तक आरोपी पकड़े नहीं जाते हैं, अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। इस दौरान पुलिस से नोकझोंक भी

हुई। हालात को देखते हुए 4 थानों की पुलिस, PAC और RRF तैनात करनी पड़ी। करीब 3 घंटे के बाद लोग अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। पिता-पुत्र 6 दिन से लापता थे। शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपियों ने पिकअप बुकिंग के लिए कॉल किया। इसके बाद मेरठ से मजदूर लेने के लिए दो अज्ञात लोग पिता-पुत्र को साथ लेकर निकल गए। टोल प्लाजा पार करने तक पिकअप सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया, इसके बाद कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। संभल और शामली पुलिस ने संयुक्त अभियान

पिकअप बुकिंग के बहाने बुलाया

पूरा मामला संभल में गुन्नौर तहसील के भिरावटी गांव का है। यहां के रहने वाले नरेश (48) अपने बेटे भीमसेन (24) के साथ पिकअप चलाते थे। 2 अप्रैल को उनके पास मेरठ से मजदूर लाने के लिए गाड़ी बुक करने का कॉल आया। शाम को दो अज्ञात लोगों को लेकर दोनों मेरठ के लिए निकल गए। रात करीब 10 बजे घर वालों से आखिरी बार बात हुई, इसके बाद फोन बंद हो गया।

परिजनों ने संपर्क न होने पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कॉल डिटेल के आधार पर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में लोडर टोल प्लाजा तक दिखाई दिया, लेकिन उसके बाद कोई जानकारी नहीं मिली। जांच में सामने आया कि दोनों को लोडर सहित शामली ले जाया गया था।

चलाया। पुलिस ने कॉल डिटेल के आधार पर जांच शुरू की और एक संदिग्ध तक पहुंची। संदिग्ध ने नरेश और भीमसेन की हत्या की बात कबूली।

पिता-पुत्र के शव क्षत-विक्षत हालत में थे, उनकी पहचान के लिए फोटो लगाए गए।

नरेश की पत्नी ने सीओ से बरामदगी की गुहार लगाई थी

नरेश की पत्नी गीता ने सीओ बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार को प्रार्थना पत्र देकर पति और बेटे की सकुशल बरामदगी की मांग की थी। सोमवार को कई गांवों के लोग एसपी कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने जल्द कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था।

17 साल की लड़की बोली बाबा ने मेरा रेप किया

सिपाही को आवाज दी- ऑटो बुला दो, थाने जाना है

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा में 17 साल की लड़की ने रेप का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। लड़की जोर-जोर से चिल्लाती रही- इस बाबा ने मेरे साथ रेप किया है। लड़की की चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें लड़की के साथ उसकी मां भी दिख रही है। मां वहां तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी से कहती है- भैया ऑटो बुलवा दीजिए। इसके बाद लड़की ऑटो से थाने पहुंची। पुलिस ने लड़की से पूछताछ के बाद केस दर्ज कर उसे मेडिकल के लिए हॉस्पिटल भेज दिया। पुलिस ने मुताबिक, लड़की की मां ने बाबा को अपना घर दान दे दिया था। उसी में लड़की की मां और बाबा लिव-इन में रहते थे। घटना रविवार दोपहर जैंत थाना क्षेत्र की है। लेकिन, वीडियो

आज सामने आया है। लड़की मूलरूप से मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले की रहने वाली है। वह हरियाणा के पलवल में गुरुकुल में 10वीं की छात्रा है। लड़की की मां मध्यप्रदेश में सरकारी टीचर थीं, लेकिन उन्होंने नौकरी छोड़ दी है। पिता दिव्यांग थे, इसके चलते मां ने उन्हें भी छोड़ दिया था। इसके बाद मां-बेटी मथुरा आ गईं और थाना जैंत क्षेत्र में रहने लगीं। लड़की पलवल में रहती है और छुट्टियों में मथुरा आती है। पुलिस के मुताबिक, लड़की की मां ने एक वेशधारी बाबा प्रकाश चंद्र बेहरा को अपना घर दान में दिया था।

फास्ट न्यूज

नगर निगम सफाई कर्मी ने दरोगा बनकर लूट किया

गोरखपुर। गोरखपुर के कैंट इलाके के जीएम आफिस के पास दरोगा बनकर रिटायर रेलकर्मी से रुपयों से भरा बैग छीनने के आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। आरोपी नगर निगम में सफाईकर्मी है। आरोपी के पास से बैग और उसमें रखा 20 हजार रुपया पुलिस ने बरामद कर लिया। पकड़े जाने के बाद आरोपी पुलिस से माफी मांगने लगा। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि वह नगर निगम में सफाई कर्मी भी है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार ने योगी सरकार को लिखा पत्र

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने निजी स्कूलों की मनमानी और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ाने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश सिंह बबुआ ने पत्र में पुस्तकों की कीमतों में मनमानी बढ़ोतरी और हर साल बिना ठोस कारण पाठ्यक्रम बदलने पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भी इस पहल का समर्थन किया है।

पत्र में कहा गया है कि प्रदेश के अधिकांश निजी विद्यालय अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक दबाव डाल रहे हैं।

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में मारपीट

गोरखपुर। गोरखपुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन वार्ड नंबर 11 में जांच के लिए ब्लड सैंपल को लेकर विवाद हो गया। सिद्धार्थनगर जिले के रहने वाले मरीज के तीमारदारों ने मंगलवार की दोपहर में जूनियर डॉक्टरों पर मारपीट और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाया है।

हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया।

हिंदूवादियों द्वारा अलवर में निकाली विशाल हनुमान यात्रा

बालक नाथ योगी और फलाहारी महाराज हुए शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

अलवर। सनातनी हिंदुओं द्वारा अलवर में 12वीं विशाल हनुमान यात्रा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा के माध्यम से हिंदू एकता का संदेश दिया गया।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर-मस्जिद प्रकरण के याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी ने कहा कि अलवर में सनातनी हिंदुओं की एकजुटता देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने इसे वीरों की भूमि बताते हुए सभी हिंदुओं से एकजुट रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद बालक नाथ योगी ने अपने संबोधन में कहा कि इतिहास में मुगल शासकों द्वारा हिंदुओं पर अत्याचार किए गए, लेकिन अब हिंदू समाज जागरूक हो चुका है और किसी भी प्रकार का अत्याचार सहन नहीं करेगा। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम, गरिमा गोयल, इंद्रदेव कौशिक, नितिन चौधरी, बलराम शर्मा, विजय यादव सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सिर पर बोतल मारकर बोरे में भरा, छोटे भाई से कुकर्म की फोटो देख ली थीं

जालौन में दोस्तों ने लड़के की हत्या कर दफनाई लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

जालौन। जालौन में दो लड़कों ने 17 साल के दोस्त की हत्या कर उसकी लाश पशुबाड़े में दफना दी। मरने वाले लड़के ने दोस्तों के फोन में अपने छोटे भाई से कुकर्म की फोटो देख ली थीं। लड़के ने दोस्तों से विरोध किया, तो उसके सिर पर बोतल मारकर हत्या कर दी।

यह घटना 25 मार्च की है, तभी से लड़का लापता था और घरवाले उसकी तलाश कर रहे थे। पुलिस को भी सूचना दी गई थी। पुलिस ने फोन की लोकेशन ट्रेस करके मंगलवार रात (7 अप्रैल) को दोनों दोस्तों को हिरासत में ले लिया।

कड़ाई से पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कबूल कर ली।

बुधवार सुबह पशुबाड़े की मिट्टी हटाकर बोरे में बंद लाश बरामद की गईया। मामला माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र का है। गांव में बवाल की आशंका पर 4 थानों की पुलिस फोर्स और PAC तैनात की गई है।

रुदपुरा गांव में एक किसान खेती-किसानी का काम करते हैं। परिवार में पत्नी के अलावा 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। सबसे बड़ी बेटी की 7 मई को शादी होने वाली है। दूसरे नंबर का बेटा 17 साल का था, जिसकी हत्या हुई। एक 13 साल का बेटा और सबसे छोटी एक बेटी है। उनका 17

पुलिस ने बताया कि रोहित नाई ने मेरे छोटे बेटे के साथ कुछ गलत काम किया था, जिसका बड़े बेटे को पता चल गया था। उसने रोहित के फोन पर इसकी फोटो देख ली थी। इसके बाद इन लोगों ने उसे मार दिया था। रोहित के घर पर बॉडी मिली है।

साल का बेटा 25 मार्च से लापता था। वह अपने दोस्तों तेज प्रताप (25) और रोहित

पिता ने फोन किया तो दोस्त ने उठाया

25 मार्च की शाम 6.30 बजे लड़का घर से निकला था। एक घंटे बाद ही पिता ने कॉल किया, तो उसने कुछ देर में घर आने की बात कही। 8 बजे जब पिता ने जब दोबारा कॉल किया, तो फोन तेज प्रताप ने उठाया। उसने बताया कि लड़का अपना फोन छोड़कर निकल गया है। इसके बाद देर रात तक लड़का घर नहीं लौटा। घरवालों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद घरवालों ने कोतवाली माधौगढ़ में गुमशुदगी दर्ज कराई।

(23) के घर जाने की बात कहकर निकला था। लड़के की तेज प्रताप और रोहित के साथ गहरी दोस्ती थी। रोज का उठना-बैठना था। लड़के के पिता ने बताया- शाम को खेत का काम बंद हुआ तो बेटा घर चला आया। वह गांव में घुसा तो उसे तेज प्रताप और रोहित मिल गए। तीनों दोस्त थे और रोज साथ बैठते थे।

कॉल डिटेल में दोस्तों से ही आखिरी बातचीत

पुलिस ने लड़के के मोबाइल फोन की लोकेशन और कॉल डिटेल खंगाली। इसमें आखिरी बातचीत उसके दोस्तों से होने की पुष्टि हुई। संदेह के आधार पर 7 अप्रैल की रात पुलिस ने तेज प्रताप और रोहित को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। इसमें दोनों ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। दोनों ने बताया कि शराब की बोतल सिर पर मारकर लड़के की हत्या की थी। इसके बाद लाश को बोरी में भर दिया। रात होने पर लाश लेकर रोहित के घर के पशुबाड़े में गए और वहां मिट्टी खोदकर गड्ढा बनाया। इसके बाद लाश वहीं गाड़ दी।

सरकारी सफाई और दवाई कागजों में बना रहे रिकॉर्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

गांवों में मच्छरों का प्रकोप

मथुरा । जनपद के ब्लॉक बलदेव अंतर्गत गांव पटलौनी सहित आसपास के कई गांवों की स्थिति इन दिनों बेहद चिंताजनक बनी हुई है। गांवों में मच्छरों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आमजन का जीना दूभर हो गया है। शाम होते ही मच्छरों का आतंक इस कदर बढ़ जाता है कि लोग अपने घरों में भी चैन की सांस नहीं ले पा रहे।

स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब यह मच्छरजनित बीमारियों—जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया—के खतरे को बढ़ा देता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो नियमित फॉगिंग हो रही है और न ही कहीं दवाई का छिड़काव नजर आता है। सरकारी अभिलेखों में जरूर सफाई अभियान, दवा छिड़काव और फॉगिंग के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। कागजों में दर्ज रिकॉर्ड और गांवों की वास्तविक स्थिति के बीच भारी अंतर साफ दिखाई देता है। गांवों की गलियों में गंदगी के ढेर, और जलभराव की समस्या मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की उदासीनता समझ से परे है।

सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब सरकार द्वारा सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त बजट जारी किया जा रहा है, तो फिर यह धन आखिर कहां जा रहा है? क्या यह सरकारी पूंजी का दुरुपयोग नहीं है? कहीं न कहीं यह भ्रष्टाचार और गबन की ओर भी इशारा करता है। जनता के साथ इस प्रकार का छलावा न केवल प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि शासन की मंशा पर भी संदेह उत्पन्न करता है।

अब समय आ गया है कि संबंधित अधिकारी इस मुद्दे को गंभीरता से लें और केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाएं। नियमित सफाई, प्रभावी फॉगिंग और दवा छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को इस समस्या से राहत मिल सके।

चलती ट्रेन से गिरा यात्री, जवान ने बचाई जान

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर तेज रफ्तार ट्रेन में चढ़ने के चक्कर में एक यात्री की जान जाते जाते बची। चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान यात्री का पैर फिसल गया और वह ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच गिरकर फंस गया।

इसी दौरान आरपीएफ जवान ने दौड़कर यात्री को खींच लिया। अफरातफरी के बीच यात्री को खींचकर सुरक्षित प्लेटफार्म पर ले आया जिससे उसकी जान बच गई। हादसे के बाद यात्री प्लेटफार्म पर ही बेहोश गया। जवानों ने सीपीआर देकर उसे बचाया। जान बचाने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर यह हादसा होने से बचा। ट्रेन नंबर 14117 कालिंदी एक्सप्रेस प्रयागराज जंक्शन से गुजरी। ट्रेन ने स्पीड पकड़ी तक एक युवक उसने चढ़ने की कोशिश में गिर गया।

ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह यह देखते ही दौड़ लगाते हुए पहुंचे और यात्री को बाहर खींच लिया।

जिलाधिकारी ने किया क्रॉप कटिंग व क्षतिग्रस्त फसलों का स्थलीय निरीक्षण

किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी : डीएम

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जनपद में संचालित क्रॉप कटिंग कार्यों का औचक निरीक्षण करते हुए तहसील सदर के ग्राम बाद एवं ग्राम तारसी का स्थलीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया, पारदर्शिता एवं सटीकता के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे. जैन को निर्देशित किया कि क्रॉप कटिंग का कार्य शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप ही कराया जाए, ताकि फसल उत्पादन का सही आकलन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी

ने स्वयं जरीब/सर्वेयर चेन (मीट्रिक चेन) के माध्यम से समबाहु त्रिभुजाकार प्लॉट बनाकर क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया को संपादित किया। उन्होंने बताया कि क्रॉप कटिंग एक वैज्ञानिक पद्धति है, जिसके माध्यम से फसल की वास्तविक उपज का आकलन किया जाता है। यह प्रक्रिया प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा दावों एवं उत्पादन आंकड़ों का आधार होती है।

हाल ही में आई तेज आंधी, बारिश एवं ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए जिलाधिकारी ने प्रभावित खेतों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी किसानों की फसलों का सर्वे पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाए, ताकि मुआवजा प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि सर्वे कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'ईरान ने युद्धविराम...

इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई देश ईरान को हथियार देगा, तो उस पर 50% टैरिफ लगाया जाएगा। यह फैसला तुरंत लागू होगा और इसमें कोई छूट नहीं होगी।

अमेरिका और ईरान के बीच करीब 40 दिन बाद 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बनी है। ट्रम्प ने बताया कि यह फैसला पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर कराने में मदद करने वाले देशों का धन्यवाद किया। उन्होंने खास तौर पर चीन, सऊदी अरब, कतर, तुर्किये और मिस्र का नाम लेते हुए कहा कि इन देशों ने सीजफायर तक पहुंचने में पूरी और अहम मदद दी।

दावा- अमेरिका ने ...

लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह मैसेज पहले से ही तैयार किया गया था। कुछ यूजर्स का कहना है कि यह मैसेज व्हाइट हाउस के निर्देश पर लिखा गया लगता है। वहीं, कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि ट्रम्प पाकिस्तान की नीतियों को प्रभावित कर रहे हैं और यह पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की ओर से उनकी गुलामी करने जैसा है।

हालांकि, पाकिस्तान का कहना है कि वह अमेरिका और ईरान के बीच सुलह कराने की कोशिश कर रहा है और खुद को मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है।

सऊदी अरब की ...

रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में सऊदी अरब की दूसरी ऑयल फैसिलिटी भी प्रभावित हुई हैं। खासकर यनबू इलाके में मौजूद उन ऑयल फैसिलिटी को भी निशाना बनाया गया, जो अमेरिकी कंपनियों से जुड़ी हैं।

भाजपा जहरीले सांप ...

खड़गे के इस बयान पर अमित शाह ने मंगलवार को ही पलटवार किया था। शाह ने कहा था कि जनता इस बयान का जवाब वोट से देगी और 9 अप्रैल के बाद कांग्रेस दूरबीन से भी नजर नहीं आएगी।

कर्नाटक सरकार में मंत्री और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने बुधवार को अपने पिता के कमेंट का समर्थन किया। प्रियांक ने कहा कि उन्होंने (मल्लिकार्जुन खड़गे ने) क्या कहा है? उन्होंने कहा कि अगर किसी को जहरीला सांप दिखे तो उसे मार दें। अगर आपको कोई जहरीला सांप दिखे, तो क्या आप उसे दूध पिलाकर पालेंगे-पोसेंगे, या उसे भगा देंगे?

खड़गे ने 5 अप्रैल को केरल के इडुक्की में कहा था कि राज्य के लोग 'पढ़े-लिखे और समझदार' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य जगहों के लोग 'अनपढ़' हैं।

हालांकि खड़गे ने बुधवार को गुजरातियों से जुड़े विवादित बयान पर खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि मेरे बयान को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। मैं शब्दों पर खेद व्यक्त करता हूं।

पाकिस्तानी शेयर...

दोनों देशों ने पाकिस्तान-चीन की मध्यस्थता के बाद इस सीजफायर पर सहमति जताई है।

समझौते के तहत अमेरिका, इजराइल और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकेंगे, साथ ही ईरानी सेना की मदद से होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को तबाह करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से रास्ता नहीं मिला तो वह ईरान की पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे।

पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज में पिछले कुछ हफ्तों से अस्थिरता थी। KSE-100 इंडेक्स 7 अप्रैल को मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ था।

हालांकि, 2 मार्च को इसमें 16,089 अंकों यानी 9.57% की गिरावट आई थी। यह इसके इतिहास की सबसे बड़ी गिरावट में से एक थी। यह गिरावट पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण आई थी।

पवन खेड़ा ने ...

पवन खेड़ा ने कॉन्फ्रेंस में तीन पासपोर्ट भी दिखाए। उन्होंने कहा कि सरमा की राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, जबकि उनकी पत्नी के पास दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने आगे कहा ही हिमंता की पत्नी 52 हजार करोड़ रुपए की अमेरिकी कंपनी की भी मालिक हैं।

अमेरिका में हिमंता की पत्नी रिंकी भुइंया सरमा की एक कंपनी है। इस कंपनी की मेंबर लिस्ट में रिंकी भुइंया सरमा, हिमंता बिस्वा सरमा और उनके बेटे का नाम है। इस कंपनी का बजट 52,000 करोड़ रुपए का है। उन्होंने दावा किया की रिंकी सरमा की दुबई में 2 प्रॉपर्टी हैं, जिसकी पूरी जानकारी उपलब्ध है। बुधवार को जारी वीडियो में खेड़ा ने फिर से कहा की मेरे सारे दावे सही हैं। 'स्टेट ऑफ वयोमिंग' और 'यूनाइटेड किंगडम' की सरकारी वेबसाइटों के मुताबिक नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट (NDA) खत्म होने के बाद रिनिकी भुयान शर्मा का नाम 'मैनेजर' और 'ऑथोराइज्ड मेंबर' के रूप में सामने आया है।

'अन्नदाता खुशहाल ...

वैज्ञानिकों ने बताया- यह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का परिणाम है। बादल काफी नीचे हैं और यह ओलावृष्टि का कारण बनेगा, साथ ही असमय बारिश का भी कारण बनेगा।

ये चुनौतियां हमेशा आती रहेंगी, क्योंकि कुछ लोगों की प्रवृत्ति जैसी होती है, प्रकृति भी वहां वैसी ही हो जाती है। वे खुद शांति से नहीं रहते और दूसरों को भी नहीं रहने देते। न खुद करेंगे, न करने देंगे। उसी दुष्प्रवृत्ति का शिकार हमारा अन्नदाता किसान भी हो जाता है। इसलिए हमें देसी पद्धति को विकसित करना पड़ेगा, जिसके बारे में प्रधानमंत्री जी बार-बार कहते हैं। योगी ने कहा- सरकार ने आज कृषि,खेती और किसान को एजेंडे का हिस्सा बनाया है। आज हमने गन्ना उत्पादक किसानों को, जिस उत्तर प्रदेश में दस-दस वर्षों तक गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं हुआ था, चीनी मिलें बंद हो रही थीं, बेंची जा रही थीं, उसी उत्तरप्रदेश में आज वो शुगर कॉम्प्लेक्स के रूप में काम कर रही हैं।

आक्रांताओं ने खेती ...

भारत के उत्पादक किसान को कर्जदार बना दिया जाता है, तो वह कर्जदाता बनने की गाथा अकाल और त्रासदी के रूप में हम सबको देखने को मिलती है।

'वोट काटने की ...

इन योजनाओं को प्रदेश की औद्योगिक नीति के तहत लाया गया था, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्यों में कमीशनखोरी के कारण गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे समेत कई सड़कों के उद्घाटन के तुरंत बाद खराब होने का उदाहरण देते हुए उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। शिक्षामित्रों के मुद्दे पर Akhilesh Yadav ने कहा कि समाजवादी सरकार में उन्हें बेहतर मानदेय मिलता था, जबकि वर्तमान सरकार ने उन्हें लंबे समय तक धोखा दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में सपा सरकार बनने पर शिक्षामित्रों और युवाओं को न्याय और सम्मान दिया जाएगा।

नदियों की सफाई ...

उन्होंने कोडीन सिरप के अवैध कारोबार और कानपुर में चर्चित किडनी कांड का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में अवैध गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं और गरीब लोग अस्पताल जाने से डर रहे हैं।

'जो भक्त ही नहीं,...

मेहता ने जवाब दिया कि मूल याचिकाकर्ता 'इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन' नामक वकीलों का एक संगठन है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, "वे भक्त नहीं हैं। लेकिन हमें यह स्पष्ट करना होगा। क्या भगवान अयप्पा का कोई भी भक्त इस परंपरा को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर कर सकता है।

यशस्वी के आईपीएल में 100 सिक्स पूरे, राजस्थान की दूसरी फास्टेस्ट टीम फिफ्टी

वैभव ने बुमराह की पहली बॉल पर सिक्स लगाया

खेल

गुवाहाटी, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को IPL 2026 के 13वें मैच में मुंबई इंडियंस को 27 रन से हरा दिया। बारिश के कारण यह मैच 11-11 ओवर का ही हुआ। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में हुए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर सिक्स लगा दिया। यशस्वी जायसवाल ने IPL में 100 सिक्स पूरे कर लिए। वैभव और यशस्वी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर राजस्थान ने महज 2.4

ओवर में 50 रन बनाकर IPL इतिहास की दूसरी सबसे तेज टीम फिफ्टी लगाई। यशस्वी जायसवाल ने IPL में अपने 100 सिक्स पूरे किए। वे राजस्थान रॉयल्स के लिए 100 या उससे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। इस मामले में संजू सैमसन (192) टॉप पर हैं, जबकि जोस

गुवाहाटी में बारिश ने खेल बिगाड़ दिया। एमआई और आरआर का मुकाबला तय समय से 2 घंटे 40 मिनट देरी से शुरू हुआ। मौसम की वजह से ओवर घटाकर मैच 11-11 ओवर का किया गया।

वैभव सूर्यवंशी 19 साल या उससे कम उम्र में आईपीएल में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 10 पारियों में 35 सिक्स लगाए हैं। इस मामले में उन्होंने ऋषभ पंत (30) और ईशान किशन (30) को पीछे छोड़ा।

राजस्थान ने अपने रिकॉर्ड की बराबरी की

राजस्थान रॉयल्स ने अपनी ही सबसे तेज टीम फिफ्टी रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टीम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 2.4 ओवर में 50 रन पूरे किए। इससे पहले भी राजस्थान ने 2023 में 2.4 ओवर में ही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ फिफ्टी लगाई थी। सबसे तेज टीम फिफ्टी का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम है, जिन्होंने 2011 में कोच्चि टस्कर्स केरल के खिलाफ 2.3 ओवर में 50 रन बनाए थे।

बटलर (135) और शेन वॉटसन (109) उनसे आगे हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह के ओवर में 2 सिक्स लगाए। पहली ही गेंद पर उन्होंने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार सिक्स लगाया। इसके बाद शॉर्ट गेंद पर पुल

बारिश के समय मैदान को फिर से कवर किया गया।

यशस्वी ने पहले ओवर में 5 बाउंड्री लगाई

यशस्वी जायसवाल ने पहले ओवर में 4 चौके और एक सिक्स लगा दिया। उन्होंने दीपक चाहर के खिलाफ 22 रन बटोरे। इस ओवर में जायसवाल ने पहली ही गेंद पर चौका लगा दिया। उन्होंने दूसरी गेंद पर सिक्स जड़ा और फिर तीसरी व चौथी गेंद पर लगातार बाउंड्री लगाईं। ओवर की आखिरी गेंद पर भी चौका लगा दिया।

शॉट खेलते हुए डीप स्क्वेयर लेग के पार सिक्स लगा दिया। यशस्वी जायसवाल ने चौके के साथ अपनी 17वीं IPL फिफ्टी पूरी की। उन्होंने हार्दिक पंड्या की गेंद को कट शॉट खेलते हुए डीप पॉइंट बाउंड्री तक पहुंचाया।

डेविड वॉर्नर ड्रिंक एंड ड्राइव केस में फंसे

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की अगले महीने कोर्ट में पेशी तय

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का केस दर्ज हुआ है। सिडनी में पुलिस ने उन्हें ब्रीथ टेस्ट के दौरान पकड़ा और गिरफ्तार कर थाने ले गई। अब उन्हें अगले महीने कोर्ट में पेश होना होगा। यह घटना सिडनी के मारूब्रा इलाके की है, जहां पुलिस रैंडम ब्रीथ टेस्ट कर रही थी। वॉर्नर अपनी कार लेकर टेस्टिंग प्वाइंट से पहले ही रुक गए, लेकिन पुलिस ने उनके पास जाकर जांच की। टेस्ट में वे नशे की हालत में पाए गए।

पुलिस वॉर्नर को मारूब्रा पुलिस स्टेशन ले गई, जहां उनका अल्कोहल लेवल 0.104 रिकॉर्ड हुआ। इसके बाद उन पर ड्रिंक एंड ड्राइव का मामला दर्ज किया गया।

वॉर्नर इन दिनों पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) में कराची किंग्स की

कप्तानी कर रहे हैं। मैचों के बीच मिले ब्रेक में वे ऑस्ट्रेलिया गए थे। अब वे 9 अप्रैल को पेशावर जालमी के खिलाफ मुकाबले से पहले पाकिस्तान लौटने की तैयारी में हैं। यह मैच कराची में खेला जाएगा। वॉर्नर ने 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 112 टेस्ट, 161 वनडे और 110 टी-20 मैच खेले। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर 15 हजार से ज्यादा रन बनाए। संन्यास के बाद भी वार्नर फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं।

हटाए गए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट अमीनुल इस्लाम

तमीम इकबाल को एड-हॉक कमेटी का हेड बनाया, 90 दिन के अंदर चुनाव होंगे

ढाका, एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप विवाद के बाद बांग्लादेश की नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (NSC) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल को हटा दिया। बोर्ड के 6 अन्य डायरेक्टर्स ने भी इस्तीफा दे दिया।

बोर्ड के कामकाज के लिए एड-हॉक कमेटी बनाई गई, जिसकी कमान पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को सौंपी गई। यह कमेटी 90 दिनों में चुनाव कराएगी। NSC ने मंगलवार को BCB बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया। इसके बाद नई एड-हॉक कमेटी गठित की गई, जिसका उद्देश्य रोजमर्रा का कामकाज संभालना और तय समय में चुनाव कराना है।

बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज

मुस्तफिजुर रहमान को IPL से हटाने के विरोध में भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इंकार कर दिया था। इसके बाद ICC ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को मौका दिया था। खेल मंत्रालय ने इसकी जांच कराई थी। तमीम इकबाल को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया। कमेटी में 11 मेंबर्स शामिल हैं। इनमें अथर अली खान, राशना इमाम, मिर्जा यासिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, मिनहाजुल आबेदीन नन्नू, इशराफिल खुसरू, तंजिम चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा शामिल हैं।

T20 वर्ल्ड कप विवाद और बोर्ड के भीतर बढ़ते असंतोष के कारण बुलबुल को हटाया गया। इस दौरान छह डायरेक्टरों ने भी इस्तीफा दे दिया था, जिससे बोर्ड पर दबाव बढ़ा। NSC के डायरेक्टर अमीनुल एहसान ने बताया कि BCB बोर्ड को भंग करने और एड-हॉक कमेटी बनाने की जानकारी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) को दे दी गई।

ICC के नियम सरकारी हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देते। लेकिन 90 दिनों में चुनाव की समय सीमा तय होने के कारण बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर प्रतिबंध की संभावना कम मानी जा रही है।

हेनरिक क्लासन बोले- अहम मौकों पर चूक पड़ रही भारी, खुद टीम के टॉप स्कोरर

हेनरिक ने एसआरएच को दिए 10 में 6 नंबर

नई दल्ली, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद की IPL 2026 में शुरुआत अब तक मिली-जुली रही है। टीम ने शुरुआती 3 मैचों में से 2 हारे हैं, जबकि 1 मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत हासिल की।

टीम के मिडिल ऑर्डर बैटर हेनरिक क्लासन ने मंगलवार को जियोस्टार प्रेस रूम में राइवली वीक से पहले टीम के प्रदर्शन पर बात की। क्लासन ने कहा कि अगर टीम के प्रदर्शन को रेटिंग दी जाए तो वह अभी 10 में से 6 देंगे। उनके मुताबिक टीम ने कई क्षेत्रों में अच्छा खेल दिखाया है, लेकिन अहम मौकों पर की गई गलतियां भारी पड़ रही हैं। फील्डिंग को लेकर भी

हेनरिक क्लासन SRH के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने पिछले दोनों मैचों में अर्धशतक जड़कर टीम के लिए अहम योगदान दिया है।

क्लासन ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शुरुआती दो मैचों में टीम की फील्डिंग स्तर के मुताबिक नहीं रही, हालांकि पिछले मैच में सुधार देखने को मिला। टीम अब बेहतर फील्डिंग स्टैंडर्ड सेट करने पर काम कर रही है ताकि दबाव बनाया जा सके और कैच छोड़े बिना मौके भुनाए जा सकें। SRH के लिए

हेनरिक क्लासन इस सीजन शानदार फॉर्म में हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 3 मैचों में 145 रन बनाए हैं।

पावरप्ले में विकेट गिरना बड़ी समस्या

क्लासन ने बताया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पावरप्ले में जल्दी विकेट गंवाने से टीम मुकाबले से बाहर हो गई। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी यूनिट का बड़ा हिस्सा अच्छी लय में है और टीम में करीब 80% पॉजिटिव्स हैं, लेकिन शुरुआती झटके बड़ी चुनौती बन रहे हैं।

क्लासन इस सीजन शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। साउथ अफ्रीका के इस विकेटकीपर-बैटर ने शुरुआती 3 मैचों में 2 अर्धशतकों के साथ कुल 145 रन बनाए हैं और टीम के टॉप स्कोरर बने हुए हैं।

क्लासन ने साफ किया कि टीम में किसी तरह की घबराहट नहीं है और ड्रेसिंग रूम का माहौल सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अब टीम का फोकस बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों डिपार्टमेंट्स में एकसाथ अच्छा प्रदर्शन कर मोमेंटम हासिल करने पर है।

मनोरंजन

दुःखद : जरीन खान की मां परवीन खान का हुआ निधन

जनाजा हुआ, कुछ घंटों पहले ही पालतु बिल्ली की मौत की खबर दी थी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान की मां परवीन खान का आज सुबह निधन हो गया। एक्ट्रेस की टीम ने इस दुखद खबर की पुष्टि की है। जरीन की मां परवीन बीते लंबे समय से बीमार चल रही थीं। कई बार अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें इमरजेंसी में एडमिट भी करवाया जा चुका था।

जरीन खान की टीम ने आधिकारिक स्टेटमेंट में परवीन खान के निधन की पुष्टि करते हुए लिखा है, "यह सूचित किया जाता है कि हमारी प्रिय परवीन खान, जो जरीन खान और सना खान की माता थीं, का 8 अप्रैल को शांतिपूर्वक

निधन हो गया।"

स्टेटमेंट के अनुसार, परवीन खान का जनाजा अंधेरी वेस्ट के वर्सोवा मुस्लिम कब्रिस्तान में आज सुबह 10 बजे हुआ। जरीन खान की मां के निधन की खबर आने से कुछ घंटों पहले ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया ने अपने पालतु बिल्ली के निधन की खबर दी थी। उन्होंने भावुक होकर लिखा था, मेरी बेबी आज सुबह मुझे हमेशा के लिए छोड़कर अपने भाई-बहनों के पास चली गई।

भड़कीं अमीषा पटेल बोलीं- नेगेटिविटी मत फैलाओ, शाहरुख-सलमान के पास ज्यादा सुपरहिट

धुरंधर से इंडस्ट्री की जली : जाकिर खान

नई दिल्ली। स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान के फिल्म इंडस्ट्री पर दिए गए एक बयान पर एक्ट्रेस अमीषा पटेल और जवान डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद भड़क गए हैं। दरअसल, हाल ही में स्क्रीन अवॉर्ड होस्ट करते हुए जाकिर खान ने कहा था कि धुरंधर 2 की फिल्म इंडस्ट्री के लोग कितनी भी तारीफ करें, लेकिन असल में उनकी फिल्म से जली है। अमीषा पटेल ने जाकिर खान के इस बयान पर जवाब देते हुए ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है, 'नेगेटिविटी फैलाना बंद करो। फिल्म इंडस्ट्री ने धुरंधर को हमेशा महत्व और सम्मान दिया है। शाहरुख खान, सलमान खान, सनी देओल, ऋतिक रोशन, अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स ने सिर्फ एक नहीं बल्कि 25 से ज्यादा मेगा हिट फिल्में दी हैं और आगे भी देते रहेंगे। चिल करो, गदर तो सबने कई सालों से पहले ही मचा रखी है और आगे भी मचाते रहेंगे।'

पठान और फाइटर जैसी फिल्में बना चुके डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने भी जाकिर खान के बयान की निंदा की

है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है, 'जुहू-बांद्रा के लोगों ने पिछले 50 सालों में सभी ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। उनके कॉन्ट्रीब्यूशन को कम आंकने के लिए बहुत बड़ा बेवकूफ होना पड़ेगा।' जुहू-बांद्रा से जाकिर का मतलब था, फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग। जो ज्यादातर उसी जगह रहते हैं।

क्या था जाकिर खान का बयान

स्क्रीन अवॉर्ड में जाकिर खान ने फिल्म इंडस्ट्री पर निशाना साधते हुए कहा था, लोग कितना भी धुरंधर 2 को बधाई देते हुए पोस्ट डाल दें, रील डाल दें या पब्लिक इंटरव्यू में ये कह दें कि ये उनकी पसंदीदा फिल्म है, लेकिन सच तो ये है दोस्तों कि धुरंधर से सबकी जली तो है। देखिए बम फिल्म में फूटे ल्यारी में, पर धुआं हुआ है जुहू से बांद्रा में।

पहली फिल्म सुपरहिट, फिर भी लुक के कारण नहीं मिला काम, 18 साल बाद पुष्पा ने सुपरस्टार बनाया

44 साल के हुए अल्लू नासा में जाना चाहते थे

मुंबई। एक लड़का, जिसका जन्म फिल्म इंडस्ट्री में गहरी पकड़ रखने वाले एक बड़े परिवार में हुआ। 3 साल की उम्र में वो पहली बार कैमरे के सामने आया। 20 साल की उम्र में बतौर हीरो पहली फिल्म भी आसानी से मिल गई। नाम था- गंगोत्री, जिसके प्रोड्यूसर कोई और नहीं बल्कि उसके पिता ही थे।

लेकिन असल संघर्ष इसके बाद शुरू हुआ, पहली फिल्म सुपरहिट होने के बावजूद सांवली रंगत के चलते उसको हीरो मटेरियल नहीं माना गया और कोई भी उसे काम देने आगे नहीं आया और फिर एक नए डायरेक्टर की फिल्म बन रही थी। बड़े स्टार्स फिल्म करने में

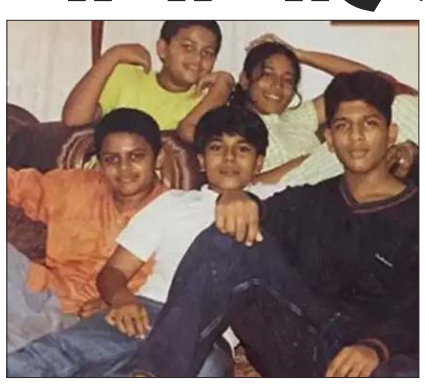

राम चरण (सफेद टी-शर्ट में) और परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ अल्लू अर्जुन (ब्लैक टी-शर्ट में) के बचपन की तस्वीर।

1985 की फिल्म विजेता से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट एक्टिंग की शुरुआत की। इसके बाद, उन्होंने 1986 में फिल्म स्वाति मुथ्यम में भी काम किया।

झिझक रहे थे, तब उसकी कास्टिंग की गई। फिल्म का नाम था- आर्या। लव ट्रायंगल वाली ये फिल्म सुपरहिट रही और उसको

अल्लू अर्जुन के बचपन की तस्वीर।

नासा में जाने की ख्वाहिश थी

अल्लू अर्जुन स्कूल में एवरेज स्टूडेंट थे, लेकिन डांस और परफॉर्मेंस में हमेशा आगे रहते थे। वैसे तो चाइल्ड एक्टर के तौर पर अल्लू अर्जुन ने फिल्मों में महज 3 साल की उम्र में एक्टिंग की शुरुआत की थी। हालांकि, फिल्म कंपेनियन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि शुरू में उनका एक्टर बनने का कोई इरादा नहीं था। उन्होंने NASA में काम करने सहित कई करियर ऑप्शन के बारे में सोचा था, लेकिन बाद में उनका इंटरेस्ट खत्म हो गया। ~~उन्होंने कहा था कि फिल्मी परिवार में पैदा~~ होने स्टारडम मिल गया। बाद में उसी डायरेक्टर के साथ उसने फिल्म पुष्पा की, जो ब्लॉकबस्टर रही और उसे पैन इंडिया स्टार बना दिया। वो

अल्लू अर्जुन के दादा ने 1000 से ज्यादा फिल्मों में काम किया

अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद फेमस फिल्म प्रोड्यूसर हैं और वहीं उनकी मां का नाम निर्मला है। उनके दादा अल्लू रामलिंगैया मशहूर कॉमेडियन थे, जिन्होंने 1000 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनका पैतृक गांव आंध्र प्रदेश के वेस्ट गोदावरी जिले का पलाकोल्लू है।

अल्लू अर्जुन तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर हैं। उनके बड़े भाई वेंकटेश एक बिजनेसमैन हैं, जबकि छोटे भाई सिरिश एक एक्टर हैं। उनकी बुआ सुरेखा कोनिडेला, सुपरस्टार चिरंजीवी की पत्नी हैं। चिरंजीवी अल्लू के फूफा और एक्टर राम चरण उनके कजिन हैं। अल्लू अर्जुन ने अपना बचपन चेन्नई में बिताया, लेकिन 1990 के दशक में उनका परिवार हैदराबाद शिफ्ट हो गया। उन्होंने चेन्नई के सेंट पैट्रिक स्कूल से पढ़ाई की और बाद में हैदराबाद के एमएसआर कॉलेज से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA) की डिग्री हासिल की।

"अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद एक फेमस प्रोड्यूसर हैं। अनुपमा चोपड़ा को दिए एक इंटरव्यू में अल्लू अर्जुन ने मजाकिया अंदाज में कहा था कि वे अपने पिता से भी मार्केट प्राइस के हिसाब से फीस चार्ज करते हैं और वो कोई छूट नहीं देते हम शुरु से ही साथ काम कर रहे हैं।

डायरेक्टर थे सुकुमार और आज बात हो रही है पैन इंडिया सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की।

उन्होंने यह भी कहा था कि उनके पिता प्रोड्यूसर हैं और वे एक्टर, इसलिए काम में किसी तरह का पक्षपात नहीं होता।

ड्राफ्ट मैसेज लिखे होने पर सवाल, यूजर बोले- ट्रम्प की गुलामी कर रहा पाकिस्तान

'अमेरिका ने पाकिस्तानी पीएम को जंग रोकने का पोस्ट भेजा'

दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद शुरू हो गया है। यह पोस्ट अमेरिका-ईरान सीजफायर से जुड़ा था और सोशल मीडिया पर चर्चा में आया।

कुछ यूजर्स ने इसे व्हाइट हाउस से जुड़े निर्देश जैसा बताया, जबकि कुछ ने कहा कि ट्रम्प पाकिस्तान की नीति को कंट्रोल कर रहे हैं, यह उनकी गुलामी करने जैसा है। हालांकि, पाकिस्तान खुद को अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है।

इस मामले में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात पर हुई कि क्या यह मैसेज वास्तव में पाकिस्तान में तैयार हुआ था या कहीं बाहर से आया था। कुछ लोगों ने तो विदेशी दखल की बात भी कही, लेकिन अभी तक इन दावों की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

ड्रॉप साइट के फाउंडर रयान ग्रिम ने फोर्ब्स से कहा कि यह मैसेज शायद शहबाज शरीफ ने खुद नहीं लिखा। उन्होंने कहा कि अगर यह मैसेज उनकी अपनी टीम ने लिखा होता, तो वे अपने

ड्राफ्ट वाला विवाद कैसे शुरू हुआ

असल विवाद तब शुरू हुआ जब शहबाज शरीफ के अकाउंट से जो पहला पोस्ट गया, उसमें ऊपर लिखा था- 'ड्राफ्ट- पाकिस्तानी PM का मैसेज'

यानी यह एक ड्राफ्ट मैसेज था, जो शायद पब्लिक के लिए नहीं था। थोड़ी ही देर में इस पोस्ट को एडिट कर दिया गया और 'ड्राफ्ट' शब्द हटा दिया गया, लेकिन बाकी पूरा मैसेज वैसा ही रखा गया। लेकिन तब तक सोशल मीडिया यूजर्स स्क्रीनशॉट ले चुके थे, जिससे यह मामला वायरल हो गया।

प्रधानमंत्री के लिए 'पाकिस्तान के प्रधानमंत्री' जैसा शब्द इस्तेमाल नहीं करते। इससे ऐसा लगता है कि यह मैसेज शायद अमेरिका या इजराइल में तैयार किया गया हो सकता है।

लोग अब अटकलें लगा रहे है कि यह पोस्ट पाकिस्तान के पीएम के लिए ट्रम्प ने लिखा होगा।

पीएम शहबाज ने 2 हफ्ते की डेडलाइन बढ़ाने की मांग की

शहबाज शरीफ ने मंगलवार रात X पर मैसेज पोस्ट किया। इसमें उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से अपील की थी कि वे ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की समय-सीमा (डेडलाइन) दो हफ्ते बढ़ा दें, ताकि बातचीत आगे बढ़ सके।

शरीफ ने यह भी कहा कि पाकिस्तान ईमानदारी से ईरान से अपील करता है कि वह होर्मुज स्ट्रेट को दो हफ्ते के लिए खोल दे, ताकि इसे एक अच्छा कदम माना जा सके।

इसके साथ ही शरीफ ने सभी लड़ाई में शामिल पक्षों से कहा कि वे हर जगह दो हफ्ते के लिए जंग रोक दे, ताकि बातचीत के जरिए इस जंग को पूरी तरह खत्म किया जा सके और क्षेत्र में लंबे समय तक शांति और स्थिरता लाई जा सके।

पोस्ट की एडिट हिस्ट्री में 'ड्राफ्ट-पाकि-स्तानी पीएम का मैसेज' दिखने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह मैसेज पहले से तैयार ड्राफ्ट था।

हिजबुल्ला के खिलाफ हमले करते रहेंगे : इस्राइल

दो हफ्ते के सीजफायर पर नेतन्याहू का रुख

नई दिल्ली, एजेंसी

युद्धविराम के बीच इस्राइल ने साफ कर दिया है कि यह सीजफायर लेबनान पर लागू नहीं होगा। इस्राइली सेना हिजबुल्ला के खिलाफ अपने जमीनी और हवाई हमले जारी रखे हुए है। आइए विस्तार से जानते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान की मध्यस्थता से अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच दो सप्ताह के सीजफायर पर सहमति बनी है। हालांकि इस्राइल ने स्पष्ट किया कि यह समझौता केवल ईरान तक सीमित है और इसमें लेबनान या हिजबुल्ला शामिल नहीं हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि इस्राइल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले का समर्थन करता है, जिसमें ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को दो हफ्ते के लिए स्थगित किया गया है। यह निर्णय इस शर्त पर आधारित है कि ईरान तत्काल होर्मुज जलडमरू-मध्य को खोल दे और अमेरिका, इस्राइल व क्षेत्रीय देशों पर सभी हमले बंद करे। इस्राइल ने यह भी दोहराया कि लेबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ उसके ऑपरेशन जारी रहेंगे। सेना दक्षिणी लेबनान में जमीनी कार्रवाई और अन्य इलाकों में हवाई हमले कर रही है, जिसका उद्देश्य हिजबुल्ला की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है, ताकि उत्तरी इस्राइल पर हमलों को रोका जा सके। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ प्रस्तावित बड़े सैन्य हमले को फिलहाल टालने का एलान किया है।

फास्ट न्यूज

कैलिफोर्निया में गिरफ्तारी के दौरान संदिग्ध को गोली मारी

वॉशिंगटन । अमेरिका के कैलिफोर्निया में मंगलवार को एक बड़ी घटना हुई। यहां अप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने पहुंचे। गिरफ्तारी की कोशिश के दौरान एजेंटों ने उस व्यक्ति पर गोलियां चला दीं, जिससे वह घायल हो गया। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने इस घटना की जानकारी दी है। विभाग ने बताया कि संदिग्ध ने अपनी कार से एक एजेंट को कुचलने की कोशिश की थी।

अमेरिकी कोर्ट से गौतम अदाणी को राहत

लंदन। अमेरिका की एक अदालत ने उद्योगपति गौतम अदाणी को बड़ी राहत दी है। अदालत ने उस याचिका पर सुनवाई तय करने की अनुमति दे दी है, जिसमें अदाणी की ओर से अमेरिकी प्रतिभूति व विनिमय आयोग एसईसी) के कथित धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की मांग की है। न्यूयॉर्क के ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी की ओर से दायर प्री-मोशन कॉन्फ्रेंस की मांग स्वीकार की जाती है और पक्षों को सुनवाई की तारीख तय करने का निर्देश दिया जाता है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने डोनाल्ड ट्रंप से की मुलाकात

वॉशिंगटन। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर इन दिनों अमेरिका में हैं। मंगलवार रात उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ डिनर किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका-भारत संबंधों पर चर्चा की। सर्जियो गोर ने इस मुलाकात को बहुत यादगार बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रात्रिभोज का अनुभव शानदार रहा।

वर्कप्लेस पर 'आंटी' कहकर पुकारना सहकर्मी को पड़ा भारी

कोर्ट ने ठोका 1.8 लाख का फाइन

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटेन में किसी महिला को 'आंटी' कहकर पुकारना अब मुश्किल में डाल सकता है। भारत में यह शब्द सम्मान का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यूके के वर्कप्लेस पर इसे उम्र और लिंग आधारित उत्पीड़न करार दिया गया है। वेस्ट लंदन एनएचएस ट्रस्ट को भारतीय मूल की हेल्थकेयर असिस्टेंट इल्डा एस्टेवेस (64) को भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए 1,425 (लगभग 1.8 लाख रुपये) मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल के जज एलीट ने यह फैसला सुनाया है।

मामले के अनुसार, घाना मूल के नर्स सहकर्मी चार्ल्स ओप्पोंग ने काम के दौरान इल्डा को बार-बार 'आंटी' कहकर बुलाया। इल्डा ने उन्हें कई बार टोका, लेकिन ओप्पोंग नहीं माना। जून 2023 में ओप्पोंग ने यह भी कहा कि इल्डा 61 वर्षीय जॉर्ज नाम के एक बुजुर्ग स्टाफ सदस्य के लिए अच्छी पार्टनर बन सकती हैं।

ट्रिब्यूनल में ओप्पोंग ने आरोपों से इनकार किया, लेकिन स्वीकार किया कि उन्होंने एक बार 'आंटी' कहकर बुलाया था। जज एलीट ने माना कि घाना की संस्कृति में 'आंटी' बुजुर्गों के प्रति सम्मान का शब्द है, लेकिन चूंकि इल्डा इसे नहीं पसंद करती थीं, इसलिए यह उनके लिए अपमानजनक था। जज ने कहा, 'यह अच्छा आचरण नहीं था। वर्कप्लेस में किए गए कमेंट्स ने से महिला को ठेस पहुंची। यह शिकायतकर्ता की उम्र और लिंग से जुड़ा उत्पीड़न है।'

अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्ते के युद्धविराम में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

सीजफायर कराने में 'शैडो ब्रोकर' बने जेडी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच हुए दो हफ्ते के युद्धविराम में जहां एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति का सख्त रुख दिखा, वहीं दूसरी तरफ पर्दे के पीछे कूटनीति भी चलती रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अहम भूमिका निभाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के कड़े बयानों और धमकियों के बीच, उनके सहयोगी जेडी वेंस ने पर्दे के पीछे बातचीत का जिम्मा संभाला। माना जा रहा है कि दोनों ने मिलकर 'गुड कॉप-बैड कॉप' रणनीति अपनाई, जिससे ईरान पर दबाव भी बना और बातचीत का रास्ता भी खुला। ईरान पहले अमेरिका के कुछ प्रतिनिधियों से निराश हो चुका था, खासकर स्टीव विटकॉफ और जारेड

कुशनर के साथ हुई बातचीत के बाद। इसलिए उसने इनसे सीधे बातचीत करने से इनकार कर दिया था। ऐसे में जेडी वेंस एक भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आए, क्योंकि वे युद्ध के प्रति सख्त रुख के बजाय संतुलित नजरिया रखते थे और उनका सीधा संपर्क ट्रंप से था। अमेरिकी अधिकारियों का भी मानना था कि अगर ईरान वेंस के साथ समझौता नहीं करता, तो फिर कोई डील संभव नहीं होगी। जब ट्रंप सार्वजनिक तौर पर कड़े बयान दे रहे थे और हमले की चेतावनी दे रहे थे, उसी समय वेंस पर्दे के पीछे बातचीत में लगे थे। उन्होंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर और ईरान के अधिकारियों के साथ मिलकर सीजफायर की शर्तों को तैयार करने में भूमिका निभाई।

रिपोर्ट्स के अनुसार, जेडी वेंस ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ मिलकर ईरान के शीर्ष नेतृत्व से बातचीत की और उन्हें युद्धविराम के लिए राजी किया। इससे पहले भी यह सामने आ चुका था कि वेंस इस पूरे बातचीत प्रक्रिया का हिस्सा थे, लेकिन अब माना जा रहा है कि उनकी भूमिका और भी ज्यादा अहम थी।

'शांतिदूत' की भूमिका में वेंस

मार्च के मध्य में जब युद्धविराम की कोई उम्मीद नहीं दिख रही थी, तब जेडी वेंस ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और खाड़ी देशों के नेताओं से बातचीत शुरू कर दी थी। वेंस, जो पहले इराक युद्ध में हिस्सा ले चुके हैं, इस युद्ध को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने इसे अमेरिका के लिए महंगा और संसाधनों की बर्बादी बताया था। हालांकि, उनकी इस राय के बावजूद उन्हें बातचीत से बाहर नहीं किया गया और वे लगातार ट्रंप के करीबी सलाहकार बने रहे।

तेल-गैस की कमी पर आईए चीफ की चेतावनी, आईईए प्रमुख ने मौजूदा ऊर्जा संकट को गंभीर बताया

होर्मुज संकट: 1973, 1979 और 2002 से भी गंभीर हो गए थे हालात

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने चेतावनी दी है कि यह संकट पिछले कई दशकों के सभी बड़े संकटों से भी ज्यादा गंभीर हो सकता है, जिसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट के कारण वैश्विक ऊर्जा सप्लाई पर बड़ा असर पड़ा है। इस वजह से तेल और गैस की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। इस संकट के कारण कई देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा है, क्योंकि ऊर्जा महंगी होने से हर चीज की कीमत पर असर पड़ता है।दरअसल, ईरान ने

अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही लगभग रोक दी है। यह दुनिया का एक बेहद अहम समुद्री रास्ता है, जहां से करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस की सप्लाई होती है।इस रास्ते के बंद होने से वैश्विक बाजार में तेल और गैस की कमी हो गई है, जिससे कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। इसका असर सिर्फ ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए IEA के सदस्य देशों ने अपने रणनीतिक भंडार (रिजर्व) से तेल निकालने का फैसला किया है। कुछ तेल पहले ही बाजार में जारी किया जा चुका है और यह प्रक्रिया अभी जारी है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि अगर स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो यह संकट और गहरा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख फातिह बिओरल ने कहा है कि मौजूदा तेल और गैस संकट 1973, 1979 और 2002 के संकटों को मिलाकर भी ज्यादा गंभीर है। उन्होंने एक फ्रांसीसी अखबार को दिए इंटरव्यू में कहा कि दुनिया ने इससे पहले इतनी बड़ी ऊर्जा आपूर्ति बाधा कभी नहीं देखी।

किन देशों पर सबसे ज्यादा असर?

फातिह बिओरल ने कहा कि यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देश भी इस संकट से प्रभावित होंगे, लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान विकासशील देशों को होगा। इन देशों में पहले से ही आर्थिक दबाव ज्यादा होता है, और अब तेल-गैस महंगे होने से खाने-पीने की चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं। इससे महंगाई और तेज हो सकती है। यानी आम लोगों की जेब पर इसका सीधा असर पड़ेगा, खासकर उन देशों में जहां आय कम है और ऊर्जा पर निर्भरता ज्यादा है।

अडाणी की अमेरिकी कोर्ट से फ्रॉड केस खारिज की मांग

न्यूयॉर्क, एजेंसी

गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी ने अमेरिकी रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज कमीशन (SEC) की तरफ से दायर सिविल फ्रॉड केस को खारिज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह मामला अमेरिकी अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इसमें कोई ठोस आरोप नहीं हैं।

अडाणी ग्रुप ने न्यूयॉर्क की अदालत में प्री-मोशन लेटर दाखिल कर कहा कि जिस डील को लेकर आरोप लगाए गए हैं वह अमेरिका के बाहर हुई थी। इसलिए SEC का मुकदमा कानूनी रूप से कमजोर है और इसे पूरी तरह खारिज किया जाना चाहिए। SEC ने 24 नवंबर में गौतम अडाणी और सागर अडाणी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। SEC ने आरोप लगाया था कि अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (AGEL) ने 2021 के बॉन्ड जारी करने के दौरान निवेशकों को गुमराह किया और रिश्वत मामले का खुलासा नहीं किया। अडाणी पक्ष ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि SEC यह दिखाने में विफल रहा है कि इसमें कोई 'घरेलू लेनदेन' शामिल था।

बोले- मामला अमेरिकी अधिकार क्षेत्र से बाहर है, किसी तरह की धोखाधड़ी साबित नहीं हुई

उन्होंने कहा कि बॉन्ड जारी करने वाली कंपनी भारतीय है, वह अमेरिका में लिस्टेड नहीं है और कथित घटना भी पूरी तरह से भारत में हुई है।

कीमत : वजह- अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते का सीजफायर, पेट्रोल-डीजल सस्ते होने की उम्मीद

कच्चा तेल 15% सस्ता होकर 94.27 डॉलर पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच 2 हफ्ते के सीजफायर के ऐलान के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल 15% सस्ता हो गया है। ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम आज (8 अप्रैल) करीब 15% यानी 15 डॉलर गिरकर 94.27 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 6 साल में तेल की कीमतों में यह एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। एक दिन पहले ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 109.27 डॉलर प्रति बैरल पर थी। 28 फरवरी को अमेरिका और ईरान के बीच जंग शुरू होने से पहले कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास था। फिर जंग के बीच

कच्चे तेल के दाम बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए थे।

कच्चा तेल भारत के लिए सबसे जरूरी है, क्योंकि हम अपनी जरूरत का करीब 85% तेल दूसरे देशों से खरीदते हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमतें गिरती हैं, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को कई मोर्चों पर राहत मिलती है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमीः कच्चा तेल सस्ता होने से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (जैसे IOC, BPCL, HPCL) पेट्रोल और डीजल के दाम कम कर सकती हैं। इससे ट्रांसपोर्टेशन लागत घटती है, जिसका सीधा असर आपके महीने के बजट पर पड़ता है।

सीजफायर के ऐलान के बाद ईरान की राजधानी तेहरान में जश्न मनाया गया।

सीजफायर से ग्लोबल मार्केट उछले, डॉलर गिरा

युद्ध थमने की खबरों से ग्लोबल शेयर बाजारों में तेजी आई है। अमेरिका का S&P 500 फ्यूचर्स 2% और यूरोपीय बाजार 5% तक चढ़ गए। भारत के सेंसेक्स और निफ्टी में भी करीब 4% की तेजी देखने को मिल रही है।

निवेशकों का भरोसा बढ़ने से डॉलर की वैल्यू में गिरावट आई है, क्योंकि अब सुरक्षित निवेश के तौर पर लोग डॉलर के बजाय शेयरों की तरफ बढ़ रहे हैं। हालांकि, सोने की कीमतों में सीजफायर की उम्मीद से हल्की बढ़त देखी गई है।

एनालिस्ट्स का कहना है कि यह राहत अस्थायी हो सकती है। आईजी के एनालिस्ट टोनी सिकामोर के मुताबिक, यह एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन अभी कई अगर-मगर बाकी हैं। एक्सपर्ट्स को डर है कि अगर दो हफ्ते बाद स्थायी समझौता नहीं हुआ, तो तेल की कीमतें फिर से 100 डॉलर के पार जा सकती हैं।

'आंटी' कहना पड़ा भारी भारतीय मूल की महिला ने जीता केस

मैनपुरी, एजेंसी

ब्रिटेन की नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) में 61 वर्षीय इल्डा एस्तेवेस हेल्थकेयर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं। उनके साथ काम करने वाले नर्स चार्ल्स ओपोंग उन्हें बार-बार 'आंटी' कहकर संबोधित करते थे। इल्डा को यह संबोधन पसंद नहीं था। उन्होंने स्पष्ट रूप से ओपोंग से कहा था कि वे उन्हें उनके नाम से बुलाएं। इसके बावजूद, ओपोंग ने अपनी आदत नहीं बदली। उन्हें सार्वजनिक जगहों जैसे कॉरिडोर और ऑफिस में 'आंटी' कहना जारी रखा। इतना ही नहीं, ओपोंग ने इल्डा से एक अन्य बुजुर्ग सहकर्मी के साथ 'जोड़ी' बनाने की बात भी कही थी। इन बातों से आहत होकर इल्डा ने वॉटफोर्ड एम्प्लॉयमेंट ट्रिब्यूनल में शिकायत दर्ज कराई।

सुनवाई के दौरान घाना मूल के नर्स ओपोंग ने तर्क दिया कि उनकी संस्कृति में उम्र में बड़ी महिलाओं को सम्मान देने के लिए 'आंटी' कहा जाता है। कोर्ट ने इस सांस्कृतिक पहलू को स्वीकार तो किया, लेकिन इसे उत्पीड़न के दायरे से बाहर नहीं माना। जज जॉर्ज एलीओट की अध्यक्षता वाले पैनल ने कहा कि ओपोंग का मकसद 'भद्दा मजाक' करना था। कोर्ट ने माना कि जब किसी कर्मचारी ने स्पष्ट कर दिया है कि उसे किसी खास शब्द से संबोधित न किया जाए, तो बार-बार वही शब्द दोहराना एक अपमानजनक माहौल पैदा करता है। कोर्ट ने इसे उम्र और लिंग के आधार पर उत्पीड़न माना। ट्रिब्यूनल ने वेस्ट लंदन एनएचएस ट्रस्ट को आदेश दिया है कि वे इल्डा एस्तेवेस को उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने के बदले मुआवजे के रूप में 1,425.15 पाउंड यानी करीब 1.5 लाख रुपये का भुगतान करें।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96